कोटद्वार, मंगलवार
13 जनवरी 2026
वर्षः 48
अंकः 233 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

कार सवारों ने युवक का सिर फोड़ा, हाथ भी तोड़ा

देहरादून। पटेलनगर कोतवाली क्षेत्र में कार सवार कुछ लोगों ने एक व्यक्ति को बुरी तरह पीटकर घायल कर दिया। इंस्पेक्टर पटेलनगर सीबीएस अधिकारी ने बताया कि विद्या विहार फेज–2, कारगी निवासी अजय रावत ने पुलिस को बताया कि 10 जनवरी की रात करीब नौ बजे नैनो कार में आए अज्ञात लोगों ने उन्हें रोका। आरोपियों ने गाली–गलौज करते हुए लाठी–डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट में पीड़ित का बायां हाथ फ्रेक्चर हो गया और सिर में तीन टांके आए हैं। इंस्पेक्टर अधिकारी ने बताया कि शिकायत पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है। घर से बुलाकर युवक पर खुखरी से वार : रायपुर थाना क्षेत्र के ऋषिनगर में घर से बुलाकर एक युवक पर खुखरी से हमला करने का मामला सामने आया है। ऋषिनगर, अपर अधोईवाला निवासी कुनाल ने तहरीर दी है कि आठ जनवरी की दोपहर वह घर पर अकेला था। तभी अदनाम नाम का युवक आया और बहाने से उसे ऋषिनगर चौक पर ले गया। वहां पहले से मौजूद रजत और अन्य लड़कों ने उस पर खुखरी से हमला कर दिया। हमले में कुनाल के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। एसओ रायपुर गिरीश नेगी ने बताया कि शिकायत पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

मसूरी घूमने आए पर्यटक की मौत

देहरादून। अपने दोस्तों के साथ मसूरी घूमने आए एक पर्यटक मुर्तजा हुसैन निवासी जगदीशपुर जिला बस्ती उत्तर प्रदेश की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुर्तजा हुसैन 45 वर्ष पुत्र अली राजा निवासी जगदीशपुर पोस्ट ऑफिस भदावल थाना हरैया जिला बस्ती उत्तर प्रदेश अपने दोस्त मनीष कुमार पुत्र रामसेवक निवासी गांव पिकोरा पोस्ट ऑफिस सुकरौली चौधरी थाना पैकोलिया जिला बस्ती उत्तर प्रदेश के साथ सुबह मसूरी घूमने आया था। वह लाइब्रेरी चौक स्थित होटल पर रुके थे। मुर्तजा हुसैन की शाम को तबीयत बिगड़ गई। मनीष उन्हें सिविल हॉस्पिटल लाया गया। चिकित्सक द्वारा बताया गया कि मुर्तजा हुसैन की मृत्यु अस्पताल लाने से पूर्व ही हो चुकी थी।

बाइक सवार युवक पर झपटा गुलदार

नैनीताल। बेतालघाट विकासखंड के अमेल गांव और आसपास क्षेत्रों में लंबे समय से गुलदार की गतिविधियों ने ग्रामीण दहशत में हैं। रविवार देर शाम अमेल गांव के पास अपने घर लौट रहे एक बाइक सवार युवक पर गुलदार ने हमला कर दिया। वन्यजीव के हमले से युवक बाइक से गिर गया। शोर मचाने पर गुलदार मौके से भाग गया, जिससे युवक की जान बच गई। ग्रामीणों ने युवक को तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत फैल गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, पिंजड़ा लगाने और गुलदार की गतिविधियों पर तत्काल नियंत्रण करने के लिए कार्रवाई करने की मांग की है।

उत्तरायणी मेले पर 66 कैमरों पर रहेगी नजर

बागेश्वर। उत्तरायणी मेले में अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। पुलिस बिना वर्दी के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नियुक्त की जाएगी। महिलाओं के साथ अभ्रदता करने वालों पर नजर रहेगी। ऐसे लोगों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मेला तीसरी आंख की नजर में होगा। सोमवार को पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के पत्रकार वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तरायणी मेला ऐतिहासिक, पौराणिक, सांस्कृतिक, व्यापारिक, राजनीतिक तथा धार्मिक है। मेले को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए बाहर से 350 फोर्स पहुंच गया है। एक कंपनी पीएससी के अलावा दो यूनिट एसडीआरएफ भी नियुक्त की गई है। वह इमरजेंसी में काम आएगी। कुमाऊं के सभी जिलों से लगभग फोर्स पहुंच गई है। इसके अलावा सुरक्षा को लेकर 66 सीसीटीवी कैमरे में भी लगाए गए हैं। सरयू नदी में बने अस्थायी पुलों पर भी जवान तैनात किए गए हैं। इसके अलावा नगर तथा कपकोट में सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। बाहर से आने वाले प्रत्येक व्यापारी का सत्यापन होगा। बाहरी क्षेत्रों के लिए मोबाइल टीमें बनाईं गई है। वह निरंतर गश्त पर रहेंगी। मंडलसेरा तथा ताकुला रोड पर अराजकत फैलाने वालों पर विशेष नजर रहेगी।

इस साल का पहला स्नान कल

हाईवे पर भारी वाहनों पर रोक

हरिद्वार। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर वर्ष के पहले स्नान को लेकर धर्मनगरी में पुलिस–प्रशासन अलर्ट मोड पर है। 14 जनवरी को स्नान पर्व के दौरान करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। संभावित भीड़ और यातायात दबाव को देखते हुए हरिद्वार पुलिस ने ट्रैफिक प्लान जारी कर दिया है। मकर संक्रांति स्नान पर्व की समाप्ति तक हरिद्वार शहर क्षेत्र में सभी भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस ने नेशनल हाईवे पर ही भारी वाहनों को रोकने के निर्देश दिए हैं। केवल आवश्यक वस्तुओं से लदे भारी वाहनों को आगे जाने की अनुमति दी जा रही है। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि स्नान पर्व के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए कई जगह डायवर्जन प्लान लागू किया जाएगा। डायवर्जन प्लान चीला मार्ग को ऋषिकेश से केवल एक्जिट मार्ग के रूप में प्रयोग किया जाएगा। चंडी चौक पर यातायात दबाव बढ़ने की स्थिति में 4.2 डायवर्जन से वन–वे व्यवस्था लागू की जाएगी। सामान्य यातायात को गुरुकुल कांगड़ी सर्विस लेन से सिंहद्वार होकर शंकराचार्य चौक भेजा जाएगा, ताकि शहर के भीतर वाहनों का दबाव नियंत्रित किया जा सके। टोल प्लाजा पर वाहनों का एक्जिट बढ़ने पर नहर पटरी मार्ग का प्रयोग किया जाएगा। ऑटो–विक्रम संचालन पर भी नियंत्रण स्नान पर्व के दौरान ऑटो और विक्रम के संचालन को लेकर भी विशेष व्यवस्था की गई है। ट्रैफिक दबाव बढ़ने पर देहरादून, ऋषिकेश और रायवाला की ओर से आने वाले ऑटो और विक्रम को फोरलेन जयराम मोड़ तक ही आने की अनुमति होगी।

संदिग्ध हालात में मजदूर की मौत, हत्या की आशंका

रुद्रपुर। रुद्रपुर के ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड एक में सोमवार सुबह एक मजदूर का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 45 वर्षीय पप्पू वर्मा पुत्र फतेह बहादुर वर्मा, निवासी आजादनगर वार्ड चार, ट्रांजिट कैंप के रूप में हुई है। परिजनों ने उसकी हत्या की आशंका जताई है। जानकारी के अनुसार, पप्पू वर्मा रविवार देर शाम घर से खाना खाकर निकला था। सोमवार सुबह हनुमान मंदिर ढाल के पास एक व्यक्ति के अचेत अवस्था में पड़े होने की सूचना राहगीरों ने ट्रांजिट कैंप थाना पुलिस को दी। सूचना पर थाना प्रभारी मोहन चंद्र पांडे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। 108 एंबुलेंस के फार्मासिस्ट ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार, मृतक के शरीर के ऊपरी हिस्से में कपड़े नहीं थे। बाईं आंख के नीचे, बाएं कंधे और दाहिने हाथ की कलाई पर हल्की चोट व रगड़ के निशान पाए गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलना भ्यूंडार में लगी आग हुई विकराल, लौटी टीम, अब हेलिकॉप्टर से आस

चमोली। पुलना भ्यूंडार की पहाड़ी में लगी आग और भी विकराल होती जा रही है। आग बुझाने गई वन विभाग की टीम खड़ी चट्टान होने के कारण आधे रास्ते से लौट आई है। अब वन विभाग ने जिला प्रशासन से आग बुझाने के लिए हेलिकॉप्टर की मांग की है। पुलना भ्यूंडार के जंगल में शुक्रवार दोपहर को आग लग गई थी। नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क की ओर से आग बुझाने के लिए दो टीमें भेजी गईं लेकिन इस जंगल में खड़ी चट्टान और गहरी खाई हैं। कर्मियों ने वहां पहुंचने की कोशिश की। रविवार को टीम ने लकड़ी की बल्लियों के सहारे लक्ष्मण गंगा को पार किया। आधा रास्ता तय करने के बाद आगे खड़ी चट्टान आ गई जिससे आगे बढ़ना संभव नहीं था। ऐसे में टीम को लौटना पड़ा। उधर थैंग गांव के जंगल में लगी आग को वन विभाग और ग्रामीणों ने काफी हद तक काबू कर लिया है। नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क के प्रभारी डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे ने बताया कि इस क्षेत्र में रास्ता बहुत कठिन है और विभागीय टीम का वहां पहुंचना नामुमकिन है। जो टीम गई थी वह आधे रास्ते से लौट आई है। इस मामले में जिलाधिकारी को पत्र लिखिकर हेलिकॉप्टर आग बुझाने की मांग की गई है। डीएम ने आपदा सचिव को भेजा पत्रः नंदादेवी राष्ट्रीय पार्क के पुलना भ्यूंडार में लगी आग को बुझाने के लिए वन विभाग ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर हेलिकॉप्टर से प्रभावित क्षेत्रों में पानी का छिड़काव करवाने का अनुरोध किया है। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने इस संबंध में सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग को पत्र भेजा है। उन्होंने क्षेत्र की स्थिति से अवगत कराते हुए यहां वायु सेना या आपदा प्रबंधन के हेलिकॉप्टर से निगरानी कर जरूरत पड़ने पर पानी का छिड़काव कराने की आवश्यकता बताते हुए कार्रवाई का अनुरोध किया। रामपर्वत और चंद्रशिला पर्वत पर भी लगी आगः गोपेश्वर। केदारनाथ वन प्रभाग के अंतर्गत पीपलकोटी क्षेत्र में राम पर्वत पर रविवार देर शाम को आग भड़क गई। सूखी पहाड़ी और चीड़ का जंगल होने के कारण आग ने तेजी से क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। सोमवार को वन विभाग की टीम आग बुझाने मौके पर पहुंची लेकिन क्षेत्र में कई खड़ी चट्टानें हैं जिससे वहां आग बुझाने के लिए पहुंच पाना संभव नहीं है। वहीं वहीं केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग के अंतर्गत मंडल घाटी में पिछले कई दिनों से आग लगी हुई है। मंडल के सामने चंद्रशिला पर्वत की तलहटी से आग ऊपर की ओर बढ़ रही है। मंडल घाटी में लगी आग से पूरी घाटी में धुआं फैला हुआ है। इसका गोपेश्वर में भी काफी दिख रहा है। सोमवार को गोपेश्वर में धुंध छाई रहने से धूप भी हल्की रही।

आदिबदरी के आसपास छाई धुंधः आदिबदरी। क्षेत्र के जुलगढ़ के जंगल में इसी माह दो बार आग लग चुकी है। इसके बाद रंडोली के जंगल में आग लगी और सोमवार दोपहर से थापली का जंगल जल रहा है। लगातार जंगलों की आग से क्षेत्र में धुंध छा गई है।

युवा शक्ति राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी : धामी

मुख्यमंत्री ने महिला मंगल दल और युवक मंगल दलों को किया पुरस्कृत

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर परेड ग्राउण्ड देहरादून में विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले महिला मंगल दलों और युवक मंगल दलों को पुरस्कृत किया। प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले मंगल दलों को क्रमशः 01 लाख, 50 हजार एवं 25 हजार रुपये की धनराशि प्रदान की गई। इस अवसर पर एन.एस.एस. द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 02 लाख 24 हजार 320 रुपये का चेक मुख्यमंत्री को सौंपा।

महिला मंगल दल धापला, नैनीताल को प्रथम, महिला मंगल दल सेमा, चमोली को द्वितीय तथा महिला मंगल दल बनाली, टिहरी गढ़वाल को तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया। जबकि युवक मंगल दल मोख मल्ला, चमोली को प्रथम, युवक मंगल दल सुंदरपुर रैक्वाल, नैनीताल को द्वितीय एवं युवक मंगल दल चौडीराय चम्पावत को तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं एवं एन.एस.एस. अवार्ड विजेता युवाओं को भी सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वामी विवेकानंद को नमन करते हुए कहा कि विवेकानंद जी ऐसे युगद्रष्टा ऋषि थे, जिन्होंने परतंत्रता की बेड़ियों में जकड़े हुए राष्ट्र के भीतर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की चेतना को पुनः प्रज्वलित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी राष्ट्र आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक रूप से तब तक विकसित नहीं हो सकता जब तक उसकी युवाशक्ति संगठित, आत्मनिर्भर और राष्ट्रवाद की भावना से प्रेरित न हो। युवा शक्ति हमारे राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है, जो अपने परिश्रम, प्रतिभा और संकल्प के बल पर सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने की क्षमता रखती है। इस ऊर्जा को सही दिशा और मार्गदर्शन से देश न केवल आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरेगा, बल्कि पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित भी हो सकेगा।

रिजॉर्ट में दोस्तों संग ठहरे युवक की संदिग्ध मौत

विकासनगर। होरावाला स्थित एक रिजॉर्ट में दो अन्य दोस्तों के ठहरे एक किशोर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। किशोर को उसके दोस्तों ने सुबह टॉयलेट में मृत पाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचायतनामा ओर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किशोर के शरीर पर न तो चोट के निशान मिले हैं और न उसके किसी संदिग्ध पदार्थ के पीने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने आंशका जताई है कि ठंड से किशोर मौत हुई है। मामले की जांच की जा रही है। कोतवाल सहसपुर शंकर सिंह बिष्ट ने बताया कि रविवार को होरावाला स्थित अमोदम रिजॉर्ट में सेलाकुई निवासी एक किशोर की मौत की सूचना मिलने पर पुलिस टीम एफएसएल और फील्ड यूनिट के साथ मौके पर पहुंची। इस दौरान पता चला कि बीती शनिवार को सतविंदर सिंह राठौर पुत्र हरिओम राठौर निवासी निगम रोड सेलाकुई, अभय पंवार पुत्र राजेश पंवार निवासी बहादरपुर सेलाकुई और मयंक ठाकुर पुत्र स्व. बालम सिंह निवासी सतपुली बाजार कुंड गांव पौड़ी ने रिजॉर्ट की टेंट संख्या पांच को किराये पर लिया था।

कुरुड़ मंदिर में वसंत पंचमी को घोषित होगा नंदा की बड़ी जात का दिनपट्टा

चमोली। 12 साल बाद चमोली जिले में होने वाली नंदा की बड़ी जात के आयोजन की औपचारिक तिथि 23 जनवरी को वसंत पंचमी के दिन घोषित की जाएगी। मां नंदा के सिद्धपीठ कुरुड़ में नंदा की बड़ी जात के दिनपट्टा (यात्रा का संकल्प) की तिथि घोषित होगी। इस दौरान नंदा मंदिर में विशेष पूजाएं भी होंगी। इस दौरान समिति ने शासन–प्रशासन पर नंदाजात की ऐतिहासिक परंपराओं पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया। कहा कि नंदा की बड़ी जात का पहला पड़ाव नौटी नहीं बल्कि कुरुड़ है। कुरुड़ से ही नंदा की जात शुरू होगी। कुरुड़ मंदिर समिति के अध्यक्ष सुखवीर रौतेला ने कहा कि 23 जनवरी को वसंत पंचमी के दिन मां नंदा की बड़ी जात के आयोजन के लिए दिनपट्टा घोषित किया जाएगा। इस दौरान मंदिर में 14 सयाने, जनप्रतिनिधि, भक्तगण और आचार्य गौड़ ब्राह्मण मौजूद रहेंगे। समिति से जुड़े कर्नल हरेंद्र सिंह रावत (सेनि) ने कहा कि शासन–प्रशासन की सूची में नंदाजात के ऐतिहासिक पड़ावों का जिक्र नहीं है जिससे लोगों में आक्रोश है। मां नंदा की बड़ी जात का शुभारंभ नौटी से नहीं बल्कि कुरुड़ से होगा। कुछ लोगों की ओर से वर्षों से गलत परंपरा का निर्वहन कर नंदाजात का आयोजन नौटी से किया जा रहा है जो कि गलत है।

नंदा राजजात शब्द पर एतराज

– मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने नंदाराजजात शब्द पर एतराज जताया। समिति के अध्यक्ष सुखवीर रौतेला और नंदा देवी के पुजारी धनीराम गौड़ ने बताया कि प्रत्येक वर्ष मां नंदा की लोकजात और प्रत्येक 12 साल में बड़ी जात होती है। वर्ष 1987 के बाद कुछ लोगों ने इसे राजजात का नाम दे दिया जिसे आज भी राजजात के नाम से जाना जाता है जबकि यह गलत है। परंपरा के अनुसार आज भी विधि–विधान से नंदा की लोक और बड़ी जात होती आ रही है। यह लगभग 280 किलोमीटर लंबी पैदल यात्रा है।

यूपी में दिल दहला देने वाली वारदातः बेटे ने मां और पत्नी को उतारा मौत के घाट

कुशीनगर। यूपी के कुशीनगर स्थित अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के परसा गांव में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। पारिवारिक विवाद में 30 वर्षीय एक युवक ने पत्थर से सिर कूच कर पत्नी और मां की बेरहमी से हत्या कर दी।

लाश से मांस नोचकर खा रहा था बेटा

चर्चा तो यह भी है हत्या के बाद वह पत्नी और मां की लाश से मांस नोचकर खा रहा था। हालांकि पुलिस इस बात से इनकार कर रही है। मामले की जानकारी होने ने बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आरोपी को दबोच लिया। पुलिस ने युवक की बहन की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से वह न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

बहू को बचाने के चक्कर में मां की भी हुई मौत

जानकारी के अनुसार, परसा गांव निवासी सिकंदर (30) पुत्र स्व. बनवारी की शादी चार वर्ष पूर्व देवरिया जिले के गौरी बाजार थाना क्षेत्र के सवना लक्ष्मण गांव निवासी राजेंद्र गुप्ता की बेटी प्रियंका (28) से हुई थी। शादी के चार साल बाद भी सिकंदर और प्रियंका के कोई संतान नहीं थी। बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे सिकंदर की पत्नी प्रियंका और मां रूना देवी (60) घर की छत पर अलाव ताप रहे थे। इसी दौरान सिकंदर नशे की हालत में पहुंचा। वहां किसी बात पर उसकी पत्नी से विवाद हुआ, जिसके बाद गुस्से में उसने छत पर रखे पत्थर के टुकड़े से उसके सिर पर हमला कर दिया। रूना ने बहू को बचाने की कोशिश की तो सिकंदर ने उनके सिर पर भी उसी पत्थर से वार कर दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

लाश देख लोगों के रोंकटे हुए खड़े

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद ग्रामीणों की मदद से उसे दबोच लिया। छत पर मां–पत्नी की इतनी बेरहमी से हत्या की गई लाश देख कर लोगों के रौंगटे खड़े हो गए। मालूम हो कि सिकंदर की शादी के एक साल बाद ही पिता की भी एक हादसे में मौत हो गई थी। तब से परिवार की जिम्मेदारी सिकंदर के ही कंधे पर ही थी।

मुख्यमंत्री की शिकायत लेकर एजेंसी सुप्रीम कोर्ट पहुंची

कोलकाता/नई दिल्ली , कोलकाता के आई–पैक दफ्तर में ईडी की छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के दखल ने सियासी भूचाल ला दिया है। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर सीएम पर जांच में बाधा डालने और फाइलें छीनने का आरोप लगाया है।

एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) ने संविधान के आर्टिकल 32 के तहत भारत के सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आई–पैक कोयला घोटाले की जांच में दखलअंदाजी का आरोप लगाया गया। यह याचिका पिछले हफ्ते की घटनाओं के बाद दायर की गई, जब ईडी के अधिकारी जांच के सिलसिले में कोलकाता में इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी या आई–पैक के ऑफिस में तलाशी ले रहे थे। ऑपरेशन के दौरान, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कथित तौर पर पार्टी के सीनियर नेताओं के साथ आई–पैक ऑफिस पहुंची और ईडीअधिकारियों से भिड़ गईं। ईडीने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने रेड के दौरान परिसर से कुछ फाइलें ले लीं, जिससे जांच में और रुकावट आई। ईडी ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री ने जांच में बाधा डाली है।

मंदिर संपत्तियों की सुरक्षा के लिए कानून बनाए सरकार : केरल हाई कोर्ट

नई दिल्ली। केरल हाई कोर्ट ने सोमवार को मौखिक रूप से राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह मंदिर संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक व्यापक कानून बनाने पर विचार करे, जिसमें कर्तव्य की लापरवाही और धन की हेराफेरी के लिए कठोर दंडात्मक प्रविधान हों। यह अवलोकन सबरीमाला सोने की चोरी के मामले में जमानत याचिकाओं की सुनवाई के दौरान आया, जिसने मंदिर संपत्तियों के संरक्षण को लेकर गंभीर प्रश्न उठाए हैं। जस्टिस ए. बदरुद्दीन ने यह सुझाव तब दिया जब उन्होंने पूर्व त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) के अध्यक्ष ए.पद्मकुमार, पूर्व टीडीबी अधिकारी मुरारी बाबू और ज्वेलर गोवर्धनन द्वारा दायर जमानत याचिकाओं पर विचार किया, जो सभी सबरीमाला मंदिर के द्वारपालक मूर्तियों और दरवाजों से सोने की कथित हेराफेरी के आरोप में न्यायिक हिरासत में हैं। एडीजीपी से अदालत ने प्रश्न पूछा कि राज्य विशेष कानून क्यों नहीं ला सकता, जिसे "केरल राज्य देवस्वम संपत्तियों की सुरक्षा और संरक्षण अधिनियम" के रूप में संदर्भित किया गया है, ताकि मंदिर संपत्तियों से संबंधित उल्लंघनों के लिए आपराधिक जिम्मेदारी सुनिश्चित की जा सके। जस्टिस बदरुद्दीन ने कहा कि मैनुअल के उल्लंघन पर केवल अनुशासनात्मक कार्रवाई होती है और यह आपराधिक अपराध नहीं बनता।

जंगल गए वृद्ध को बाघ ने हमला कर मार डाला

रुद्रपुर। बग्घा चकरपुर लाइन निवासी एक वृद्ध को बाघ ने हमला कर मार डाला। रविवार को वृद्ध तीन अन्य साथियों के साथ मवेशी चराने जंगल गया था। शाम तक घर न लौटने पर तलाश शुरू की गई तो रात करीब आठ बजे जंगल से वृद्ध का शव बरामद हुआ। 69 वर्षीय शेर सिंह पुत्र हरक सिंह, निवासी बग्घा 54 चकरपुर लाइन मूल रूप से काना, गंगोलीहाट जिला पिथौरागढ़ के निवासी थे। रविवार को वह तीन अन्य साथियों के साथ मवेशी चराने जंगल गए थे, जहां आगे निकलने पर वह साथियों से बिछड़ गए। शाम तक घर न लौटने पर परिजनों और ग्रामीणों ने खोजबीन शुरू की और वन विभाग को सूचना दी। सूचना पर सुरई रेंज के रेंजर आरएस मनराल, बीट इंचार्ज राजू दास, रविंद्र कुमार, सुखविंदर सिंह सहित वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। इसके बाद वन कर्मियों और ग्रामीणों ने ट्रैक्टर ट्रॉली और वाहनों की रोशनी में जंगल में सर्च अभियान चलाया। जंगल में बाघ द्वारा घसीटने के निशान, कपड़े और पगचिह्न मिलने के बाद कुछ दूरी पर शेर सिंह का शव बरामद हुआ। वन विभाग ने शव को कब्जे में लेकर सोमवार को उप जिला चिकित्सालय पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रेंजर मनराल ने बताया कि वृद्ध को बाघ ने मारा है। विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सूचना मिलने पर डीएफओ कुंदन कुमार टीम के साथ सोमवार सुबह मौके पर पहुंचे और अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। शेर सिंह खेती–किसानी और पशुपालन कर परिवार का भरण–पोषण करते थे। उनके परिवार में पांच विवाहित बेटियां और एक बेटा है, जो रुद्रपुर सिडकुल में कार्यरत है। सोमवार को क्षेत्रीय विधायक एवं उप नेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी ने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और वन विभाग को उचित कार्रवाई व हमलावर बाघ को ट्रैप करने के निर्देश दिए।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत, पत्नी गंभीर घायल

रुड़की। झबरेड़ा–गुरुकुल मार्ग पर कोटवाल आलमपुर के पास रविवार देर शाम बाइक और ट्रक की टक्कर में युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई।

घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम खाता खेड़ी निवासी 22 वर्षीय सहबान पुत्र सफीक अहमद अपनी पत्नी के साथ बाइक से झबरेड़ा होकर लखनौता जा रहा था। दंपत्ति ग्राम कोटवाल आलमपुर के पास पहुंचा तो पीछे से तेज गति से आ रहे एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार पति–पत्नी सड़क पर दूर जा गिरे।

पूर्व नौसेना प्रमुख को नोटिस पर चुनाव आयोग ने कहा– फार्म में नहीं थीं जरूरी जानकारियां

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने गोवा में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया यानी एसआइआर के तहत पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल अरुण प्रकाश (सेवानिवृत्त) को भेजे गए नोटिस को लेकर सोमवार को स्थिति साफ की है। आयोग ने कहा कि उनके फार्म में पिछली एसआइआर से जुड़ी जरूरी जानकारियां नहीं भरी गई थीं। चुनाव आयोग ने अरुण प्रकाश को पहचान सत्यापन के लिए बैठक में बुलाने का नोटिस भेजा था। वह सेवानिवृत्त के बाद से गोवा में रह रहे हैं। इस नोटिस को लेकर इंटरनेट मीडिया पर कई लोगों ने चिंता जताई थी। खासतौर पर इसलिए क्योंकि 81 वर्षीय अरुण प्रकाश 1971 के भारत–पाक युद्ध में अपनी भूमिका के लिए वीर चक्र से सम्मानित रह चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि अरुण प्रकाश का फार्म विधिवत भर दिया गया है और पूर्व नौसेना प्रमुख को अब उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है।सोमवार को जारी बयान में कार्टालिम विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी डॉ. मेडोरा एरमोमिला डीकोस्टा ने कहा कि एसआइआर के दौरान बूथ लेवल अधिकारी ने अरुण प्रकाश से संबंधित फार्म एकत्र किया था। उन्होंने बताया कि इस फार्म में पिछली एसआइआर से जुड़ी अनिवार्य जानकारियां नहीं थीं। इनमें मतदाता का नाम, पहचान पत्र संख्या, संबंधित का नाम, विधानसभा क्षेत्र का नाम और नंबर, भाग संख्या और मतदाता सूची में क्रम संख्या शामिल नहीं थे। डीकोस्टा ने कहा कि इन जरूरी जानकारियों के अभाव में बूथ लेवल अधिकारी द्वारा जमा किए गए गणना फार्म को मौजूदा मतदाता सूची के डाटाबेस से अपने आप नहीं जोड़ पाई। बयान में कहा गया कि पिछली एसआइआर से जुड़े सभी कालम खाली छोड़े गए थे। इसी कारण यह फार्म सिस्टम की अनमैप्ड कैटेगरी में चला गया।

सम्पादकीय

उत्तराखंड का सुशासन

उत्तराखंड में सुशासन की डगर लगता है अपने लक्ष्य से भटकती हुई नजर आने लगी है। पूरे प्रदेश में जहां एक तरफ अंकिता प्रकरण को लेकर आंदोलन चल रहा है तो वही एक ताजा मामले में किसान की आत्महत्या ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उधम सिंह नगर के एक किसान ने करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए खुद को गोली मार कर मौत के घाट उतार लिया। इस मामले में अब मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं लेकिन आत्महत्या के जो कारण मृतक ने मरने से पहले अपनी वीडियो में लगाए हैं उस पर सरकार को गंभीरता से विचार करते हुए कार्रवाई करनी चाहिए। मामला बहुत गंभीर है और मृत्यु से पहले दिए गए इस बयान में उत्तराखंड पुलिस के एक आल्हा अधिकारी के साथ–साथ पूरे पुलिस तंत्र को भ्रष्टाचार के कटघरे में खड़ा किया गया है। प्रशासनिक अव्यवस्था और भ्रष्टाचार से परेशान होकर 40 वर्षीय सुखवंत सिंह ने होटल के कमरे में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उधम सिंह नगर के काशीपुर में हुई करीब चार करोड़ रुपये की बड़ी धोखाधड़ी के बाद सुखवंत लगातार न्याय की गुहार लगा रहे थे, लेकिन उन्हें कहीं से राहत नहीं मिली। आत्महत्या से ठीक पहले सुखवंत सिंह ने फेसबुक लाइव आकर उधम सिंह नगर पुलिस और आला अधिकारियों पर गंभीर भ्रष्टाचार व मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए। अपने वीडियो में उन्होंने यहां तक दावा किया कि उनसे जबरन पैसों की मांग की गई। अब यह काम शासन का है कि वह किसान के इन बयानों की गंभीरता से जांच कराए, लेकिन चिंता की बात यह है कि उत्तराखंड के अंदर भ्रष्टाचार और प्रशासनिक व्यवस्थाएं की बातें आम हो चुकी है। आम आदमी अपनी परेशानियों को लेकर अपना मानसिक संतुलन खो रहा है लेकिन उसे ऐसा कोई दरवाजा नजर नहीं आ रहा है जहां निष्पक्ष सुनवाई हो सके या फिर पारदर्शी सुशासन का दावा करने वाली सरकार भ्रष्ट लोगों पर कड़ी कार्रवाई कर सके। किसान द्वारा उधम सिंह नगर पुलिस पर लगाए गए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बाद हड़कंप मचा हुआ है लेकिन शायद इस परिवार को न्याय तभी मिल पाएगा जब जांच एजेंसी वास्तव में प्रकरण में दूध का दूध और पानी का पानी अलग कर सकेगी। मृतक किसान द्वारा भ्रष्टाचार के इस मामले की सीबीआई से जांच कराए जाने की भी मांग की गई थी जिसका जिक्र उन्होंने खुद को गोली मारने से पूर्व अपने वायरल वीडियो में भी किया है। घटना बेहद दुखदाई है और निश्चित तौर पर जिस प्रकार से पिछले कुछ दिनों में पुलिस के काम करने के तरीके पर सवाल उठने लगे हैं, वह उत्तराखंड के सिस्टम और पुलिस तंत्र के लिए अच्छे संकेत नहीं है।

आखिरकार 2025 में श्रम अधिशेष का लाभ उठाने में सक्षम हो सका भारत

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से 20वीं सदी के उत्तरार्ध तक, भारत सुरक्षित अर्थव्यवस्था के अनुरूप कड़े नियंत्रित श्रम ढाँचे के तहत काम करता रहा। यहाँ तक कि उदारीकरण के बाद भी यह ऐसा क्षेत्र था, जिसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। इसका स्पष्ट परिणाम यह हुआ कि : श्रम–अधिशेष वाले देश में भी कंपनियाँ श्रम–प्रधान निवेश से बचती रहीं।

श्रम के व्यापक उपयोग में बाधा बन रहे श्रम कानून के इस असंतुलन को आखिरकार 2025 में सुधारा गया। अंततः श्रम सुधारों और वीबी–जी राम जी के लागू होने से भारत के लिए अब यह संभव हो गया है कि वह शहरी और ग्रामीण, दोनों ही क्षेत्रों में अपने श्रम अधिशेष को औपचारिक अर्थव्यवस्था में समाहित कर सके। श्रम कानून, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और उद्यम नीति पहली बार एक ही दिशा में काम कर रहे हैं। इसकी बदौलत भारत एक ऐसी व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जो औपचारिक रोजगार तथा उद्यमों के विस्तार को सक्षम बनाते हुए श्रमिकों की भी सुरक्षा प्रदान करती है।

अन्य श्रम–अधिशेष अर्थव्यवस्थाओं से सीख

चलिए, उन देशों से शुरुआत करते हैं, जिन्होंने भारत जैसी ही चुनौती –श्रम के अधिशेष का सामना किया। 1990 के दशक और 2000 के शुरुआती वर्षों में चीन, वियतनाम और इंडोनेशिया ने श्रमिकों को बड़े पैमाने के विनिर्माण में समाहित करने के लिए भर्ती प्रक्रिया को पूर्वानुमेय और अनुपालन को प्रबंधनीय बनाते हुए श्रम कानून बनाए। भारत ने इसके उलट रास्ता अपनाया। उसने अनुमतियों और जुर्मानों की एक जटिल भूलभुलैया खड़ी कर दी, जिसने श्रम–प्रधान निवेश को हतोत्साहित किया और कंपनियों को अनौपचारिकता की ओर धकेल दिया।शहरी और ग्रामीण, दोनों श्रम बाज़ारों में रुख अब बदल गया है। भारत ने 29 श्रम क़ानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित करते हुए अपने समकक्ष देशों की तुलना में अनुपालन को कहीं अधिक सरल बना दिया है। उसने अपने श्रमिक संरक्षण के स्तर को समकक्ष देशों के बराबर रखा है, और भर्ती में लचीलेपन के मामले में वह उनसे आगे बढ़ गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में, मनरेगा से विकसित भारत–रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) की दिशा में बदलाव ने रोज़गार को उत्पादकता से जोड़ दिया है। इसमें बुआई और कटाई के चरम मौसम के दौरान 60 दिनों का विराम शामिल है, ताकि खेतिहर श्रमिकों की कमी न हो और कार्य को टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण से जोड़ा गया है। इसके परिणामस्वरूप एक ऐसी श्रम व्यवस्था बनी है, जो चीन, वियतनाम या इंडोनेशिया की तुलना में निवेश के लिए अधिक तैयार है, जिसमें कारखानों से लेकर खेतों तक पूरे श्रम तंत्र में अनुपालन में सुगमता, व्यापक सामाजिक सुरक्षा और बिना सुरक्षा मानकों को कमजोर किए बड़े पैमाने पर भर्ती की क्षमता मौजूद है।

श्रम सुधारः बिखराव से कार्यकुशलता की ओर

लगभग 100 श्रमिकों वाली एक छोटी विनिर्माण इकाई की कल्पना कीजिए। वर्षों तक, विकास के साथ चिंता भी जुड़ी रही। कुछ अतिरिक्त श्रमिकों को नियुक्त करने का मतलब था–श्रम कानूनों की जटिल भूलभुलैया से गुजरना, कई तरह के पंजीकरण कराना, मोटे–मोटे रजिस्टर बनाना, अलग–अलग प्राधिकरणों की निरीक्षण कार्रवाइयों का सामना करना, और इस बात का जोखिम उठाना कि कोई मामूली सी प्रक्रियागत चूक भी आपराधिक दायित्व को दावत दे सकती है। लिहाजा, कई व्यवसाय एक ही निष्कर्ष पर पहुँचेः विस्तार करने की बजाय छोटा, अनौपचारिक और कम श्रमिकों के साथ बने रहना ही अधिक सुरक्षित है । यह

मानसिकता 2025 में बदलनी शुरू हुई। 29 केंद्रीय श्रम क़ानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित करने से व्यवस्था नियामकीय अव्यवस्था से निकलकर स्पष्टता की ओर बढ़ी। एकल पंजीकरण, लाइसेंस और रिटर्न के माध्यम से अनुपालन को सरल बनाया गया है; अब निरीक्षण दोष खोजने के बजाय सहयोग और सुविधा प्रदान करने लगे हैं; और सामान्य, रोजमर्रा की त्रुटियां अब आपराधिक दंड को आमंत्रित नहीं करतीं सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह सरलीकरण श्रमिक के अधिकारों की कीमत पर नहीं हुआ है। मज़दूरी संरक्षण को सार्वभौमिक बनाया गया है, लैंगिक समानता को क़ानून में अंतर्निहित किया गया है, सामाजिक सुरक्षा का दायरा गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों तक बढ़ाया गया है, और प्रवासी श्रमिकों को पोर्टेबिलिटी का लाभ मिला है। अब औपचारिक रूप से श्रमिकों को नियुक्त करना किसी जोखिम को संभालने जैसा नहीं, बल्कि भरोसे के साथ उठाया जाने वाला कदम बन गया है–जिससे विकास, सुरक्षा और विस्तार तीनों एक साथ संभव हो पाए हैं।

उद्यमों को बढ़ने और कर्मचारियों को नियुक्त करने में सक्षम बनाना

कई वर्षों तक, विकास करना ही अपने आप में एक प्रकार का दंड था। किसी विनिर्माण कंपनी की कल्पना कीजिए, जो बड़े पैमाने पर पहुँचने की कोशिश कर रही हो: जैसे ही उसकी चुकता पूँजी 4 करोड़ रुपये को पार करती थी, वह अपनी लघु कंपनी के दर्जे को खो देती और उसी समय अधिक श्रमिकों को नियुक्त करने की आवश्यकता के बीच अनिवार्य कैश–फ्लो स्टेटमेंट, अतिरिक्त बोर्ड और ऑडिट आवश्यकताएँ, और कंपनी रजिस्ट्रार के पास विस्तृत वार्षिक फाइलिंग –जैसे भारी अनुपालनों में उलझ जाती। इसका जवाब कई व्यवसायों ने आकार को सीमित रखकर, संचालन को विभाजित करके या अनौपचारिक बने रहकर दिया।

यह स्थिति 2025 में बदल गई। अब कंपनियाँ 10 करोड़ रुपये तक की चुकता पूँजी के साथ लघु कंपनी की श्रेणी में बनी रह सकती हैं, जबकि एमएसएमई निवेश सीमा 2.5 गुना और टर्नओवर सीमा 2 गुना बढ़ा दी गई है। विकास अब अनुपालन संबंधी आघात का कारण नहीं बनता; बल्कि औपचारिकीकरण, विस्तार और नई भर्ती के लिए अवसरों का सृजन करता है, जो उद्यम आधारित रोजगार सृजन को नियामकीय जोखिम के स्थान पर समझदारी भरा विकल्प बनाता है।

वर्षों तक, श्रम कानून औपचारिक भर्ती को हतोत्साहित करते रहे, क्योंकि नियोक्ता पूर्ववर्ती दायित्व, पिछली तिथियों के बकाया भुगतान, और यहाँ तक कि कर्मचारी के पूर्व नियोक्ता से जुड़ी चूक के लिए भी दंडात्मक हर्जाने के जोखिम के कारण अक्सर कर्मचारियों को भविष्य निधि में नामांकित करने से बचते थे।इस अनिश्चितता ने औपचारिक रोजगार को जोखिमपूर्ण बना दिया था, जबकि कड़े निकासी नियमों के कारण कर्मचारी संकट के समय अपनी बचत तक पहुँच नहीं पाते थे। 2025 में यह स्थिति बदल गई, जब कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने पहले शामिल न किए गए श्रमिकों के लिए बिना पिछली देयताओं या जुर्माने के एक बार के नामांकन की अनुमति दी और निकासी प्रक्रिया को सरल बनाया। पात्रता अवधि 12 महीने मानकीकृत कर दिए जाने और कुल कोष का 75त्न तक निकालना संभव हो जाने से, इन सुधारों ने नियोक्ताओं के लिए भर्ती जोखिम कम कर दिया है और औपचारिकीकरण की प्रक्रिया को तेज़ कर दिया।

ग्रामीण रोजगारः 2047 की अर्थव्यवस्था के लिए 2005 के ढाँचे को अद्यतन करना

2025 के दूसरे प्रमुख श्रम सुधार ने विपक्ष को गलत कारणों से गुस्से से भर दिया। किसी ने यह नहीं कहा कि मनरेगा ने ग्रामीण आय बढ़ाने में मदद नहीं की, लेकिन यह भी स्पष्ट था कि इसने टिकाऊ परिसंपत्तियाँ नहीं बनाई और तेजी से बदलती ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल नहीं कायम किया।2005 में जब यह योजना शुरू हुई थी, तो ग्रामीण भारत में 5 में से 2 से ज्यादा लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे थे; आज यह संख्या 50 में से 2 से भी कम रह गई है– यानी इसमें दस गुना कमी आई है। साथ ही, मनरेगा के तहत किए जाने वाले कार्यों ने बुआई और कटाई के चरम मौसम में कृत्रिम श्रम संकट पैदा किया और किसानों की लागत बढ़ा दी। इन बदलावों ने इस सुधार को अनिवार्य बना दिया।इस पृष्ठभूमि में, विकसित भारत–गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 एक निर्णायक पुनःस्थापना का प्रतिनिधित्व करता है। कानूनी गारंटी अब 125 दिनों तक बढ़ा दी गई है, लेकिन नए कानून में बुआई और कटाई के मौसम में 60 दिनों का विराम रखा गया है, ताकि किसानों की श्रम तक पहुँच सुनिश्चित हो सके। यह अधिनियम ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ परिसंपत्तियों का वास्तव में सृजन सुनिश्चित करते हुए जल सुरक्षा, मूलभूत ग्रामीण अवसंरचना, रोज़गार–संबंधी अवसंरचना और आपदा से होने वाली हानि को कम करने के उपायों जैसे चार प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित है। सभी निर्मित परिसंपत्तियाँ विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक में एकत्र की जाती हैं, जिससे संगठित और समन्वित राष्ट्रीय विकास रणनीति सुनिश्चित होती है।

स्वतंत्रता के बाद पहली बार, भारत की श्रम नीति अतीत को नियंत्रित करने के बजाय अब भविष्य को सक्षम बनाने लगी है। अब श्रम को एक समस्या के रूप में नहीं देखा जाता जिसे नियंत्रित करना है, बल्कि इसे विकास, सम्मान और राष्ट्रीय परिवर्तन में एक साथी के रूप में देखा जाता है।

कायस्थ वोट तोड़ सकती है भाजपा

हरिशंकर व्यास

आबादी कम होने के बावजूद कायस्थ इन राज्यों की राजनीति को किसी न किसी रूप में प्रभावित करते रहते हैं। बीजू पटनायक और उनके बेटे नवीन पटनायक का लंबे समय तक ओडिशा में राज रहा है। बिहार में भी महामाया प्रसाद सिन्हा बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं। पश्चिम बंगाल में ज्योति बसु का सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड है। अभी पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और उससे पहले नितिन नबीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। बिहार के ही मंगल पांडेय वहां के प्रभारी हैं।

नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के देश की राजनीति पर कोई असर हो या नहीं हो लेकिन पश्चिम बंगाल की राजनीति में इसके असर की चर्चा शुरू हो गई है। ध्यान रहे नितिन नबीन कायस्थ हैं और कायस्थों की मौजूदगी पूर्वी भारत के राज्यों में ही है। बिहार, झारखंड के अलावा पश्चिम बंगाल और ओडिशा में ठीक ठाक संख्या में कायस्थ हैं। आबादी कम होने के बावजूद कायस्थ इन राज्यों की राजनीति को किसी न किसी रूप में प्रभावित करते रहते हैं। बीजू पटनायक और उनके बेटे नवीन पटनायक का लंबे समय तक ओडिशा में राज रहा है। बिहार में भी महामाया प्रसाद सिन्हा बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं। पश्चिम बंगाल में ज्योति बसु का सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड है। अभी पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और उससे पहले नितिन नबीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। बिहार के ही मंगल पांडेय वहां के प्रभारी हैं। सो, बंगाल के चुनाव को यह घटनाक्रम निश्चित रूप से किसी न किसी स्तर पर प्रभावित करेगा।

ध्यान रहे पश्चिम बंगाल का भद्रलोक कायस्थ और ब्राह्मणों से मिल कर ही बना है। भद्रलोक आमतौर पर बंगाल की कला, संस्कृति, परंपरा इत्यादि का पोषक होता है। वह समझता है कि बंगाली अस्मिता की रक्षा का भार उसके कंधे पर है। इसलिए वह आमतौर पर भाजपा को वोट नहीं करता है। पहले कम्युनिस्ट पार्टियों को और अब ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को उनका समर्थन मिलता है। भद्रलोक के अलावा जो दूसरा वर्ग है वह छोटोलोक का है। इस छोटोलोक का वोट मोटे तौर पर भाजपा को मिलता है। पश्चिम बंगाल की दलित आबादी करीब 18 फीसदी और आदिवासी आबादी छह फीसदी है। इसका बड़ा हिस्सा भाजपा के साथ जाता है। उत्तरी बंगाल के आदिवासी बहुल इलाकों में तो भाजपा बहुत मजबूत है।

इस बार भी भाजपा को उम्मीद है कि दलित, आदिवासी और पिछड़ी जातियों के बड़े हिस्से का वोट उसको मिलेगा। उसे भद्रलोक में ममता बनर्जी के वोट में सेंध लगानी है। ब्राह्मण हो सकता है कि ममता बनर्जी को नहीं छोड़ें लेकिन नितिन नबीन के जरिए भाजपा कायस्थ वोट तोड़ सकती है। हालांकि ममता बनर्जी के पास शत्रुघ्न सिन्हा के रूप में एक काट है। शत्रुघ्न सिन्हा ओरिजिनल बिहारी बाबू हैं और अस्मिता की राजनीति में वे किसी भी कायस्थ या बिहारी नेता से बड़े ठहरते हैं। वे पश्चिम बंगाल की आसनसोल सीट से दूसरी बार सांसद का चुनाव जीते हैं। अभी वे पूरी तरह से सक्रिय भी हैं। आमतौर पर विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को किसी की जरुरत नहीं होती है। लेकिन अगर इस बार जरुरत पड़ी तो शत्रुघ्न सिन्हा भी हैं और कीर्ति आजाद भी हैं। कीर्ति आजाद क्रिकेटर रहे हैं, बिहार के हैं और मैथिली ब्राह्मण हैं। वे वर्धमान की सीट से तृणमूल कांग्रेस के सांसद हैं। इस बार भाजपा की ओर से नितिन नबीन और मंगल पांडेय तो ममता बनर्जी की ओर से शत्रुघ्न सिन्हा और कीर्ति आजाद भी मैदान में होंगे।

बीसीसीआई ने किया गड़बड़झाला

बीसीसीआई ने गड़बड़झाला किया। क्या अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों को लेकर भारत को बांग्लादेश से क्रिकेट संबंध तोड़ लेना चाहिए? बीसीसीआई ऐसा सोचती है, तो फिर उसने बांग्लादेश के खिलाड़ियों को आईपीएल नीलामी में क्यों शामिल किया?

टी–20 वर्ल्ड कप में खेलने के लिए भारत ना आने का बांग्लादेश का एलान क्रिकेट और भारत दोनों के लिए अच्छी खबर नहीं है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने तेज गेंदबाज मुस्तफिज़ुर रहमान पर हुए विवाद के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से बांग्लादेश के सारे मैच वर्ल्ड कप टूर्नामेंट के सह–मेजबान श्रीलंका में कराने की मांग की है। आईसीसी ने ये मांग मानी (या मांग ना माने जाने की स्थिति में बांग्लादेश ने टूर्नामेंट का बहिष्कार किया), तो उसका दूरगामी असर होगा। यह साफ है कि रहमान के मामले में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गड़बड़झाला किया। उसने उन्हें उन खिलाड़ियों की लिस्ट में रखा, जिन्हें आईपीएल की फ्रेंचाइजी टीमें खरीद सकती थीं।कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने उन्हें खरीदा, तो एक भाजपा नेता और इस दल के समर्थक समूहों ने टीम के मालिक अभिनेता शाहरुख खान पर जुबानी हमले शुरू कर दिए। उन्हें गद्दार तक कहा गया। बेशक, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय इस समय निशाने पर है। उसको लेकर भारत के बहुसंख्यक समुदाय का नाराज होना लाजिमी है। लेकिन मुद्दा है कि क्या इसको लेकर भारत को बांग्लादेश से क्रिकेट संबंध तोड़ लेना चाहिए? बीसीसीआई ऐसा सोचती है, तो फिर उसने बांग्लादेश के खिलाड़ियों को आईपीएल नीलामी में क्यों रखा? उसके बाद राजनीतिक कारणों से किसी समूह विशेष ने भड़काऊ माहौल बनाया, तो क्या यह उचित नहीं होता कि बीसीसीआई अपने रुख पर कायम रहती और केकेआर को उचित संरक्षण देती?लेकिन उसने रहमान को टीम से हटा देने की सलाह दी, जिस पर केकेआर ने फ़ौरन अमल किया। उस पर बीसीबी ने भी उग्र प्रतिक्रिया दिखाई है। नतीजतन, सात फरवरी से शुरू हो रहे टी–20 वर्ल्ड कप से एक नया विवाद जुड़ गया है।

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 की नई रिलीज डेट आई सामने

मर्दानी 3 इस साल की मोस्ट अवेटिड फिल्मों में से एक हैं. फैंस इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे मगर अब ये इंतजार ज्यादा दिन का नहीं होने वाला है. रानी मुखर्जी एक बार फिर सुपरकॉप शिवानी शिवाजी रॉय बनकर वापसी कर रही हैं. रानी मुखर्जी को बड़े पर्दे पर देखना शानदार होगा. मेकर्स ने मर्दानी 3 की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट कर दी है. इसके साथ ही फिल्म का नया पोस्टर भी रिलीज किया है. पोस्टर में रानी मुखर्जी भारत में लापता हुईं लड़कियों को ढूंढती नजर आ रही हैं. उनका इस बार अंदाज बिल्कुल पहले की तरह ही है. बस इस बार एक्शन और ज्यादा नजर आएगा.

यशराज फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करके जानकारी दी है कि फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. उन्होंने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा– वो तब तक नहीं रुकेगी, जब तक वह उन सभी को बचा नहीं लेती! रानी मुखर्जी निडर पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में मर्दानी 3 में वापस आ रही हैं. बचाव अभियान 30 जनवरी को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में शुरू होगा. बता दें मर्दानी 3 पहले सिनेमाघरों में 27 फरवरी को रिलीज होने वाली थी. मगर अब इस फिल्म को जल्दी रिलीज किया जा रहा है. फिल्म की रिलीज डेट पहले आने से फैंस बहुत एक्साइटेड हैं और पोस्टर देखकर ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं. यशराज ने जो पोस्टर शेयर किया है उस पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं. एक ने लिखा–रानी इज बैक. वहीं दूसरे ने लिखा– फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे.

ऋषभ पंत भारत–न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से हुए बाहर, बीसीसीआई ने कर दिया रिप्लेसमेंट का ऐलान

नई दिल्ली ,भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे का आगाज आज यानी 11 जनवरी से होना है। मगर इस सीरीज के शुरू होने से पहले टीम इंडिया को बहुत बड़ा झटका लग गया है। स्टार विकाट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोट के चलते पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने रविवार को इसकी पुष्टी की। बीसीसीआई ने ऋषभ पंत के सीरीज से बाहर होने की जानकारी देने के साथ–साथ उनके रिप्लेसमेंट का भी ऐलान कर दिया है। ऋषभ पंत की जगह टीम में संजू सैमसन या ईशान किशन नहीं बल्कि विजय हजारे ट्रॉफी में धमाल मचाने वाले ध्रुव जुरेल आए हैं। ऋषभ पंत की चोट की जानकारी देते हुए बीसीसीआई ने अपनी रिलीज में लिखा, 'विकेटकीपर ऋषभ पंत को शनिवार दोपहर वडोदरा के ब्रूट्र स्टेडियम में भारत के प्रैक्टिस सेशन के दौरान नेट में बैटिंग करते समय अपने दाहिने पेट के निचले हिस्से में अचानक दर्द महसूस हुआ। उन्हें तुरंत स्कैन के लिए ले जाया गया और मेडिकल टीम ने उनकी क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल रिपोर्ट पर एक एक्सपर्ट के साथ विस्तार से चर्चा की। पंत को साइड स्ट्रेन का पता चला है और इसलिए उन्हें वनडे सीरीज से बाहर कर दिया गया है।

गौतम गंभीर नहीं हर्षित राणा अपने पिता की वजह से बल्लेबाजी पर ध्यान देते हैं

वडोदरा , भारतीय क्रिकेट टीम में हर्षित राणा को एक तेज गेंदबाज के रूप में जगह मिली थी। पिछले एक साल में दाएं हाथ के इस गेंदबाज ने तीनों ही फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। गेंदबाजी के साथ ही उन्हें बल्लेबाजी का भी मौका दिया जाता है और इसका श्रेय हेड कोच गौतम गंभीर को दिया जाता है। राणा ने इसका खंडन किया है।

वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला वनडे मुकाबला जीतने के बाद बीसीसीआई टीवी पर हर्षित राणा ने अपनी बल्लेबाजी को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी की शुरुआत पापा ने करवाई थी। वे शुरू से ही मेरी बल्लेबाजी पर ध्यान देते रहे हैं। उनका मानना है कि ऑलराउंडर्स को भारतीय टीम में जल्दी खेलने का मौका मिलता है, इसलिए उन्होंने हमेशा गेंदबाजी के

साथ–साथ मेरी बल्लेबाजी पर भी ध्यान दिया है। राणा ने कहा कि पापा हर मैच के बाद मुझे फोन करते हैं। मैं जिस तरह 20 रन पहले आउट होकर आया, मुझे डर लग रहा है कि मैं उनसे कैसे बात करूंगा। हर्षित राणा के इस बयान से स्पष्ट हो गया है कि गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी पर भी वह कम उम्र से ही ध्यान देते हैं और इसके पीछे की वजह उनके पिता हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले मैच में राणा ने गेंदबाजी और फिर बल्लेबाजी में उपयोगी अंशदान देते हुए टीम इंडिया की जीत में बड़ी भूमिका निभाई।

ओ रोमियो का वायलेंस टीजर रिलीज

शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज की कमीने वाली जोड़ी एक बार फिर धमाल करने जा रही है. दोनों की जोड़ी की फिल्म ओ रोमियो अगले महीने रिलीज होने के लिए तैयार है. फिल्म से शाहिद कपूर का नया पोस्टर आया था और टीजर का भी इंतजार खत्म हो गया है. फिल्म ओ रोमियो के टीजर में शाहिद कपूर का अंदाज बिल्कुल अलग और हटके दिख रहा है. शाहिद कपूर के साथ–साथ फिल्म में कौन–कौन एक्टर नजर आएगा, टीजर में सबके चेहरे उनके धांसू रोल के साथ नजर आ गए हैं. चलिए देखते हैं आखिर कैसा है शाहिद कपूर की नई फिल्म ओ रोमियो का टीजर.

1.35 मिनट का ओ रोमियो का टीजर मारदाड़ और मारकाट से भरा पड़ा है. साथ ही शाहिद कपूर का रोमियो वाला स्वैग देखने को मिल रहा है. खून से लथपथ शाहिद कपूर पहली बार इस तरह मासी और क्लासी रोल करने जा रहे हैं. हांलाकि कमीने, हैदर और कबीर सिंह में भी उनका अलग अदांज दिखा था, लेकिन यह उससे हटके हैं. टीजर में लैला–मजनू वाले आशीष तिवारी का लुक सबसे इंप्रेसिव और अट्रैक्टिव है. आशीष के लुक पर ज्यादा काम किया हैं, उन्हें देखकर लगता है.

एवेंजर्स डूम्सडे तोड़ेगी मार्वल का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की अगली फ्रैंचाइजी एवेंजर्स डूम्सडे का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। लगातार आने वाले फिल्म और कलाकारों से जुड़े अपडेट लोगों के उत्साह को चरम पर पहुंचाने का काम कर रहे हैं। अब नया अपडेट जानने के बाद मार्वल प्रशंसकों की खुशी ठिकाना नहीं होगा, क्योंकि ऐसा यूनिवर्स में पहली बार होने जा रहा है। दरअसल, एवेंजर्स डूम्सडे की रिलीज से पहले इसकी अवधि को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।रिपोर्ट के अनुसार, मार्वल अपनी सबसे लंबी फिल्म को सिनेमाघरों में पेश करने की तैयारी में है। मतलब यह कि एवेंजर्स डूम्सडे की अवधि करीब 3 घंटे 45 मिनट होने की उम्मीद है।

न्यूजीलैंड के साथ सीरीज के बीच भारतीय टीम को बड़ा झटका

चोट के चलते वॉशिंगटन सुंदर हुए टीम से बाहर

नई दिल्ली , भारतीय क्रिकेट टीम ने वडोदरा में खेले गए पहले वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर सीरीज का आगाज जीत के साथ किया। अब सीरीज का दूसरा वनडे 14 जनवरी 2026 को राजकोट में खेला जाएगा, लेकिन उससे पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। स्टार ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर न्यूजीलैंड के खिलाफ बचे हुए दोनों वनडे मैचों से बाहर हो गए हैं। उनकी फिटनेस को लेकर जानकारी सामने आई है कि स्कैन में उनके रिब में दर्द की पुष्टि हुई है, जिसके चलते उन्हें आराम की सलाह दी गई है और वह आगे

के मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे।

पहले वनडे के दौरान गेंदबाजी करते समय वॉशिंगटन सुंदर चोटिल हो गए थे। वह सिर्फ 5 ओवर डालने के बाद मैदान छोड़कर बाहर चले गए थे। उनकी जगह ध्रुव जुरेल सब्स्टीट्यूट फील्डर के तौर पर मैदान पर आए थे। इसके बाद यह सवाल बना हुआ था कि सुंदर बल्लेबाजी के लिए उतर पाएंगे या नहीं। हालांकि लक्ष्य का पीछा करते समय जब भारत ने अंतिम ओवरों में लगातार विकेट गंवाए और मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया, तब सुंदर को बल्लेबाजी के लिए आना पड़ा।

सुंदर ने 7 गेंदों पर 7 रन बनाए, लेकिन रन लेते समय वह असहज दिखाई दिए। आखिरकार केएल राहुल ने सूझबूझ भरी बल्लेबाजी करते हुए मैच को भारत के पक्ष में समाप्त किया और टीम ने सीरीज में 1–0 की बढ़त हासिल की। वॉशिंगटन सुंदर का बाहर होना इसलिए भी चिंता का विषय है क्योंकि 7 फरवरी 2026 से टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत होने जा रही है। ऐसे में आईसीसी टूर्नामेंट से पहले उनकी चोट टीम प्रबंधन के लिए परेशानी बढ़ा सकती है। पहले वनडे में विराट कोहली ने 93 रनों की शानदार पारी खेलते हुए एक बार फिर अपने अनुभव और क्लास का परिचय दिया,

एक नजर

संदिग्ध परिस्थितियों में होमगार्ड की मौत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार कोतवाली में तैनात एक होमगार्ड की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार रात होमगार्ड ड्यूटी पूरी कर घर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में उनके सीने में दर्द होने लगा था।

झंडीचौड़ पश्चिमी निवासी बीरेंद्र सिंह 52 वर्ष रविवार रात ड्यूटी पूरीकर मोटर साइकिल से घर जा रहे थे। इसी दौरान हल्दूखाता के समीप वह मोटर साइकिल से जमीन पर गिर गए। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। जिसमें बाद वीरेंद्र सिंह को 108 के माध्यम से राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वरिष्ठ पुलिस उपनिरीक्षक अनिल चौहान ने बताया कि वीरेंद्र सिंह होमगार्ड में कार्यरत था, वर्तमान में उसकी ड्यूटी श्री सिद्धबलि मंदिर में लगी थी। कहा कि बीरेंद्र के शरीर पर कहीं भी चोट के निशान नहीं है, जिससे लगता है कि उसकी मौत ह्दय गति रूकनी से हुई हो, हालांकि मृतक का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। जिससे मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सके।

मां ज्वाल्पा क्लब मनोज ने सद्भावना क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : सदभावना क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में मां ज्वाल्पा क्लब मनोज ने मैच जीतकर खिताब अपने नाम किया। फाइनल में मां ज्वाल्पा क्लब मनोज के हिमांशु को मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया।

सोमवार को सिलेथ गांव के भैरव उचीर मैदान में आयोजित फाइनल मैच मां ज्वाल्पा क्लब मनीष और मां ज्वाल्पा क्लब मनोज के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मां ज्वाल्पा क्लब मनीष ने निर्धारित 15 ओवरों में भारत वीर के 47 रनों की बदौलत 9 विकेट के नुकसान पर 166 रन बनाए। जवाब में हिमांशु के 58 रनों की बदौलत मां ज्वाल्पा क्लब मनोज ने 6 विकेट के नुकसान पर 14.3 ओवर में 168 रन बनाकर चार विकेट से मैच जीत लिया। मां ज्वाल्पा क्लब मनोज के हिमांशु को मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख संजय गुसाईं एवं विशिष्ट अतिथि कांग्रेस नेता राजपाल बिष्ट ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को नगद धनराशि व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष जितेंद्र रावत, ग्राम प्रधान सिलेथ कविता देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य कलम सिंह सजवाण, पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह रावत, राजपाल रावत आदि मौजूद रहे।

55 हजार छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शुरू

नई टिहरी। श्रीदेव सुमन विवि की 37 दिनों तक चली विषम सेमेस्टर परीक्षा, मुख्य और बैक पेपर परीक्षा सोमवार को सभी 148 केंद्रों पर संपन्न हो गई। विवि प्रशासन के सामने अब अगले माह के भीतर रिजल्ट घोषित करने की चुनौती है। क्योंकि विश्वविद्यालय के पास उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने वाले शिक्षकों की सबसे अधिक कमी बनी हुई है। गढ़वाल मंडल के 148 केंद्रों पर श्रीदेव सुमन विवि की सत्र–2025 की परीक्षाएं बीते छह दिसंबर से शुरू हो गई थी जो आज 12 जनवरी को संपन्न हो गई। इस वर्ष विवि की विषम सेमेस्टर परीक्षा, मुख्य और बैक पेपर परीक्षा में लगभग 55 हजार अभ्यर्थी शामिल हुए हैं। विवि के उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. हेमंत बिष्ट ने अगस्तमुनि, कर्णप्रयाग, गोपेश्वर और गैरसैंण महाविद्यालय के परीक्षा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि परीक्षा संपन्न होने के बाद सभी परीक्षा केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं का संकलन किया जा रहा है। मूल्यांकन कार्य निर्धारित समय पर संपादित हो इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है। मूल्यांकन कार्य में किसी तरह की लापरवाही न हो इसके लिए विवि के स्तर पर पुख्ता व्यवस्था गई है।

सहायक अध्यापक पदों की काउंसलिंग में 441 अभ्यर्थी पहुंचे

नई टिहरी। काउंसलिंग में अपेक्षा से कम उपस्थिति का प्रमुख कारण प्रदेश के अन्य जिलों में भी आज ही सहायक अध्यापक पदों पर नियुक्ति के लिए काउंसलिंग की तिथि निर्धारित होना बताया जा रहा है। इसके चलते कई अभ्यर्थी अन्य जिलों की काउंसलिंग में शामिल होने चले गए। जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) नरेश कुमार हल्दियानी ने बताया कि काउंसलिंग के दौरान उपस्थित अभ्यर्थियों के शैक्षणिक व प्रशिक्षण प्रमाणपत्रों सहित सभी आवश्यक अभिलेखों की जांच की गई।

पुराने दर्द को उभार रहा गिरता तापमान

बेस अस्पताल में बढ़े घुटने, कमर व गर्दन दर्द के मरीज

कोटद्वार बेस अस्पताल में ओपीडी की पर्ची बनवाने के लिए लगी भीड़

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लगातार गिरता तापमान पुराने दर्द को उभारने लगा है। हालत यह है कि बेस अस्पताल के साथ ही निजी अस्पतालों में भी प्रतिदिन जोड़ों, घुटनों, कमर व गर्दन दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। पुराने दर्द से सबसे अधिक बुजुर्ग जन परेशान हो रहे हैं। सर्द मौसम में चिकित्सक लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं।

बेस अस्पताल में प्रतिदिन तीन सौ से चार सौ मरीज ओपीडी की पर्ची बनवाने के लिए पहुंच रहे हैं, जिसमें सौ से डेढ़ सौ मरीज हड्डी दर्द से संबंधित हैं। मरीज जोड़ों के दर्द, घुटनों के दर्द, कमर दर्द व गर्दन के दर्द से पीड़ित हैं। सोमवार को भी हड्डी रोड विभाग की दोनों ओपीडी में मरीजों की कतार लगी नजर आई। वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ की माने तो गठिया के मरीजों के लिए ठंड का मौसम पीड़ादायक होता है। तापमान कम होने व गलन बढ़ने के साथ जोड़ों का दर्द असहनीय होता जाता है। यही वजह है कि गठिया के मरीजों की तादाद बढ़ जाती है। मौसम में खून का दौरा कम होने से जोड़ों में सूजन, अकड़न व दर्द की शिकायत भी बढ़ जाती है, इसीलिए मरीजों को सलाह दी जाती है कि वह जोड़ों को गर्म रखें। मौसम में जैसे ही गलन बढ़ेगी, यह परेशानी ज्यादा हो जाएगी। जोड़ों का दर्द सर्दियों में उन लोगों में ज्यादा बढ़ जाता है, जिन्हें पहले से गठिया, ऑस्टियो आर्थराइटिस या हड्डियों से जुड़ी कोई परेशानी है। हालांकि, बदलती लाइफ स्टाइल व शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण अब युवा भी इसकी चपेट में आ रहे हैं।

ठंड में बढ़ते दर्द से बचाव के उपाय

ऊनी कपड़े, मोजे और घुटनों पर पट्टी का उपयोग करें। साथ ही सुबह-शाम स्ट्रेचिंग और हल्की एक्सरसाइज करें। सरसों या तिल के तेज से मालिश करने से रक्त संचार बेहतर होता है। नहाने और सिकाई के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। कैल्शियम और विटामिन-डी युक्त आहार लें। ठंडी हवा और नमी से खुद को सुरक्षित रखें।

मैदान में कोहरा, पहाड़ में खिली धूप

झंडाचौक में अलाव का सहारा लेते श्रमिक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : एक ओर जहां मैदान में कोहरा व शीतलहर आमजन की चुनौती बढ़ा रहा है। वहीं, पर्वतीय क्षेत्रों में सुबह से ही खिल रही गुनगुनी धूप दिन भर तन-मन को सुकून दे रही है। यही कारण है कि पहाड़ों में अधिकांश लोग अपने घरों के बाहर बैठकर धूप का आनंद ले रहे हैं। जबकि, इसके उलट मैदान में शीतलहर व कोहरे के कारण दोपहर तक आमजन का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है।

रविवार को कोटद्वार शहर ने पूरे दिन कोहरे की चादर ओढ़ी हुई थी। कोहरे के साथ ही शीतलहर ने आमजन की परेशानी बढ़ा दी। शहरवासियों ने ठंड से बचाव के लिए अलाव व हीटर का सहारा लिया। सड़क पर बेसहारा घूमने वाले व्यक्तियों के लिए भी नगर निगम की ओर से अलाव की व्यवस्था की गई है। भाबर में भी सुबह तक घनघोर कोहरा छाया हुआ था। कोहरे के कारण वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर आवाजाही करनी पड़ी। इसके विपरीत दुगड्डा, डाडामंडी, हनुमंती, गुमखाल, चरेख सहित अन्य पर्वतीय क्षेत्रों में ग्रामीण घर के बाहर बैठकर धूप का आनंद लेते हुए दिखाई दिए। हालांकि पहाड़ में धूप जाने के बाद सुबह-शाम की ठिठुरन हो रही है।

गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट सेंटर को मिला सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : देश सेवा में बेहतर कार्यों के लिए गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट सेंटर, लैंसडौन को जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ की ओर से सम्मानित किया गया। इस दौरान देश सेवा में गढ़वाल राइफल्स की ओर से दिए गए योगदान को भी याद किया गया।

आर्मी डे के मौके पर देहरादून में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट सेंटर को सम्मानित किया गया। रेजिमेंट को उत्तम सेवा, कर्तव्यनिष्ठा, कार्य दक्षता, उत्कृष्ट प्रशिक्षण, अनुशासन व प्रशासनिक क्षमता के लिए यह सम्मान दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि रेजिमेंट सेंटर अग्निवीर, सैनिकों के सर्वांगीण प्रशिक्षण व पूर्व सैनिक और वीर नारियों की देखभाल के लिए भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। 2021 व 2025 में गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट लैंसडौन को देश के मिलट्री स्टेशनों में बेस्ट क्लीन ग्रीन व सतत विकास प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने में भी सम्मान मिल चुका है।

छावनी चिकित्सालय लैंसडाउन को रक्षा मंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी ने कहा कि यह पल गढ़वाल राइफल्स को गौरव करने वाला है। गढ़वाल राइफल्स देश की सेवा के साथ ही पूर्व सैनिक व विरांगनाओं के हितों को लेकर कार्य कर रहा है।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 16 लोगों ने किया रक्तदान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : स्वामी विवेकानंद की जयंती व राष्ट्रीय युवा दिवस पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में बताया। इस दौरान शिविर में 16 लोगों ने रक्तदान किया।

राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में आयोजित शिविर का शुभारंभ आधार शिला संस्था के संस्थापक सदस्य व नगर सेवा प्रमुख विजेंद्र मैंदोला ने 26वीं बार रक्तदार कर किया। सर्वप्रथम शिविर में आए लोगों का पंजीकरण किया गया, जिसमें 45 लोगों ने पंजीकरण करवाया, जिसमें से 16 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर में जिला प्रचारक कमल ने भी 6वीं बार रक्तदान कर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। कहा कि रक्तदान करने से शरीर में किसी भी प्रकार की कमजोरी नहीं आती है। एक यूनिट रक्त से कई लोगों को नई जिंदगी बच सकती है। इस मौके पर भाजपा के जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, अश्वनी कुकरेती, विजयानंद पोखरियाल, दलजीत सिंह, शिवम नेगी उत्कृर्ष नेगी, याशिका जखवाल, कविता रावत, आशीष रावत, मणिराम मौजूद रहे।

हाईवे पर धमक रहे हाथी, सावधानी पूर्वक करें सफर

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर आए हाथी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर हाथियों की धमक बढ़ती जा रही है। सोमवार सुबह हाथी का झुंड अचानक हाईवे पर पहुंच गया था, जिस कारण मार्ग पर वाहनों का लंबा जाम लगा हुआ था। हाईवे पर संकेतक न होने के कारण पर्यटकों को हाथी प्रभावित क्षेत्र का अंदाजा नहीं लग पा रहा है, जिससे हर समय मानव-वन्य जीवन संघर्ष का खतरा बना रहता है।

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा लैंसडौन वन प्रभाग क्षेत्र से सटा हुआ है। यही कारण है कि हाईवे पर आए दिन हाथियों की धमक बनी रहती है।

सोमवार सुबह करीब लालपुल के समीप अचानक हाथियों का झुंड राष्ट्रीय राजमार्ग पर आ गया। हाथी को देख वाहन चालकों ने दूरी बना ली थी।

कई लोग वाहनों से उतर कर हाथियों की फोटो खींचते हुए भी नजर आए। हाईवे पर चहलकदमी करने के बाद झुंड वापस जंगल की ओर चला गया था। इसके बाद हाईवे पर यातायात सुचारु हुआ।

खोह में पानी की तलाश में पहुंचते हैं हाथी

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य कई स्थानों पर हाथी जंगल से निकलकर हाईवे पर पहुंचता है। कई बार हाथियों का झुंड उक्त स्थान से हाईवे को पार कर खोह नदी में भी जाती है। बावजूद वन विभाग की ओर से इन इलाकों में पर्याप्त संकेतक नहीं लगाए गए हैं। ऐसे में पर्यटकों को हाईवे पर हाथी के क्षेत्र का पता नहीं चल पाता। जबकि, पूर्व में कई बार हाथी राहगीरों को दौड़ा भी चुका है। सबसे अधिक परेशानी रात के समय आवागमन करने वालों को होती है। ऐसे में हाईवे पर वाहन चालकों को सावधानी पूर्वक सफर करना चाहिए। मोड़ पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जब हाथी राष्ट्रीय राजमार्ग पर हो तो कुछ देर शांति से उसके वापस जंगल में जाने का इंतजार करें। हाथी पर पत्थर न फेंके, ऐसे में वह चिढ़कर पीछे दौड़ने लगता है, जिससे जान का भी खतरा हो सकता है।

शिमला और सुतार गांव की टीम ने जीते मैच

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : थापला गांव में आयोजित थापला क्रिकेट प्रतियोगिता में सोमवार को दो मैचों का आयोजन किया गया। शिमला और सुतार गांव की टीम ने अपने-अपने मैच जीते। मैच देखने के लिए थापला गांव और अन्य गांवों के भारी संख्या में प्रवासी युवा पहुंच रहे है। गांव की महिलाएं भी खिलखिलाती धूप में दर्शक के रूप में मैच का लुप्त उठा रही है।

विकासखंड कल्जीखाल के ग्राम पंचायत थापला में देवी का डांडा के खेतों में इन दिनों पहली बार थापला गांव के प्रवासियों युवाओं और स्थानीय युवाओं, महिलाओं के सहयोग से ग्राम पंचायत प्रधान राकेश कुमार ने निर्देशन में 10 जनवरी 2026 से यंग ग्रुप थापला के द्वारा भव्य क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को पहला मैच थापला और शिमला के बीच हुआ। शिमला ने 2 विकेट से जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार शिमला टीम हरेंद्र चौहान को दिया गया। उन्होंने 60 रन बनाए। दूसरा मैच गिदरासु और सुतार गांव के बीच खेला गया, जिसमें सुतार गांव टीम ने दस ओवरों में 163 रन बनाए, जवाब में गिदरासू की टीम 75 ही रन बना सकी। सुतार गांव की ओर से सर्वाधिक 64 रन गोलू ने बनाए, उन्होंने 8 छक्कें मारे। उन्हें मैन ऑफ द मैच पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं पीएलवी जगमोहन डांगी, पूर्व सैनिक सज्जन सिंह नेगी, इन्द्र सिंह रावत, कमलेश नेगी, बंटी असवाल, विकास रावत, रघुवीर असवाल, मनोज असवाल, शाहिल रावत, प्रदीप असवाल, महिला मंगल दल अध्यक्ष श्रीमती आशा देवी, वन पंचायत सरपंच श्रीमती रेखा देवी, विजय नैथानी आदि मौजूद थे।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

श्रीनगर गढ़वाल : कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत डांग गांव में एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली निरीक्षक कुलदीप कुमार ने बताया कि डांग निवासी सुषमा देवी (58) पत्नी स्व. कैलाश चंद्र चमोली नगर निगम क्षेत्र के डांग में अकेली रहती थी। रविवार शाम से उनके कमरे का दरवाजा बंद था और वह फोन भी नहीं उठा रही थी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने परिजनों की मौजूदगी में कमरे का दरवाजा खोला तो सुषमा देवी का शव कमरे में पंखे से फंदे पर लटका मिला। उन्होंने बताया कि प्रथम हष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। परिजनों ने जानकारी दी है कि सुषमा देवी करीब 20 वर्षों से यहां रह रही थीं। उनके पति का निधन बीते 5 अक्तूबर 2025 को हो गया था।

आरती और सुमन ने किया पौड़ी का नाम रोशन

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : छठवां वर्ल्ड एमच्योर कराटे फेडरेशन अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में सुमन और आरती ने कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है।

अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप देहरादून में आयोजित की गई। 11 जनवरी को आयोजित अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में सुमन चमोली गांव एवं आरती कुल्हाड़ ने प्रतिभाग कर कांस्य पदक जीतकर पौड़ी जिले का नाम रोशन किया। जिला संयोजक डॉ. विजेंद्र सिंह उत्तराखंडी ने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। हमें उन्हें आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित करना चाहि। जिससे वे राज्य एवं देश का नाम रोशन कर सके। जिला प्रशिक्षक विजय सिंह, सोनू कुमार (जिला अध्यक्ष रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया) एवं अरविन्द कोटनाला ने दोनों विजेताओं को शुभकामनाएं दी।

आंचल डेयरी में शुरू हुआ माइक्रो ट्रेनिंग सेंटर

श्रीनगर गढ़वाल : पौड़ी जनपद में पहली बार श्रीनगर आंचल डेयरी में माइक्रो ट्रेनिंग सेंटर की शुरुआत की गई है। यह प्रशिक्षण केंद्र जायका योजना के माध्यम से स्थापित किया गया है, जहां दुग्ध उत्पादकों और डेयरी व्यवसाय से जुड़े लोगों को एक दिन, दो दिन और पांच दिन के लचीले प्रशिक्षण विकल्प दिए जा रहे हैं, ताकि समय की कमी के कारण कोई भी वंचित न रहे। श्रीनगर दुग्ध उत्पादक संघ के प्रधान प्रबंधक श्रवण कुमार शर्मा ने बताया कि इस माइक्रो ट्रेनिंग सेंटर का उद्देश्य दुग्ध उत्पादकों को आधुनिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में महिलाएं, बुजुर्ग और किसान कठिन परिस्थितियों में पशुपालन करते हैं, लेकिन सही प्रशिक्षण के अभाव में उन्हें पूरा लाभ नहीं मिल पाता था। प्रशिक्षण के दौरान पशु पोषण, फीडिंग मैनेजमेंट, पशुओं की साफ-सफाई, सामान्य रोगों की पहचान और बचाव, दवाओं का सही उपयोग, समय पर टीकाकरण, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपाय, दूध की गुणवत्ता जांच और दुग्ध समितियों के पंजीकरण जैसी सभी जरूरी जानकारियां दी जा रही हैं। प्रधान प्रबंधक ने बताया कि यह प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क है और दिसंबर माह से शुरू किया गया है। पहले दुग्ध उत्पादकों को ऐसे प्रशिक्षण के लिए बाहर जाना पड़ता था, जहां समय और धन दोनों अधिक खर्च होते थे। अब श्रीनगर में ही सुविधा उपलब्ध होने से न केवल पैसा और समय बचेगा, बल्कि पौड़ी सहित आसपास के जनपदों के लोग भी इसका लाभ उठा सकेंगे।

सर्वाइकल कैंसर के बचाव के लिए शुरू किया टीकाकरण

नई टिहरी। सीडीओ वरुणा अग्रवाल ने सर्वाइकल कैंसर से बचाव से संबंधित प्रस्तावित टीकाकरण अभियान की समीक्षा बैठक ली। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में सीडीओ ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को पात्र किशोरियों की सूची उपलब्ध करने, पीटीएम के माध्यम से अभिभावकों को जागरूक करने को कहा। सीडीओ ने टीकाकरण के उपरांत किशोरियों के परिजनों के संपर्क नंबर नोट करने, किशोरियों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। सीएमओ डॉ. श्याम विजय ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर का मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) संक्रमण है।

स्वामी विवेकानन्द के जीवन से प्रेरणा ले छात्र

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राजकीय महाविद्यालय कल्जीखाल में राष्ट्रीय सेवा योजना का तृतीय एकदिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि जगमोहन डांगी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के जीवन से युवाओं को प्रेरणा लेने की जरूरत है।

सोमवार को आयोजित शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजिक एवं पराविधिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी, विशिष्ट अतिथि पूर्व सैनिक सज्जन सिंह नेगी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। पूर्व सैनिक सज्जन सिंह नेगी ने स्वामी विवेकानंद जयंती की जीवनी पर प्रकाश डाला। कहा कि स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को बहुत प्रेरित किया और कहा कि अपने लक्ष्य को जब तक प्राप्त न कर लो तब तक रुको मत। कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि आज के युवाओं के लिए समय बहुत महत्वपूर्ण है। अपने समय को पहचानों क्योंकि गया हुआ समय कभी वापस नहीं आता, इसलिए अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए समय को खराब नहीं करना चाहिए। पीएलवी भगवती प्रसाद शैलवाल ने छात्रों को विधिक साक्षरता की जानकारी दी। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.बी श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीति शर्मा, पीएलवी भगवती प्रसाद शैलवाल, वरिष्ठ प्राध्यापक राजीव कनौजिया, डॉ. शोभा रावत, सुमित बिजल्वाणन, डॉ. दयाधर सेमवाल, दमयंती देवी, मुकेश, नंदकिशोर आदि मौजूद थे।

सिमली में जनपद के प्रभारी सचिव की अध्यक्षता में आयोजित हुआ बहुउद्देशीय शिविर

शिविर में ग्रामीणों की दर्ज 34 शिकायतों का हुआ मौके पर निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर राज्य की न्याय पंचायतों में ह्लजन जन की सरकार, जन जन के द्वारह्व कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को चमोली की न्याय पंचायत सिमली में जनपद के प्रभारी सचिव व सैनिक कल्याण व आयुष एवं आयुष शिक्षा दीपेंद्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में ह्लबहुउद्देशीय शिविरह्व का आयोजन किया गया।

सिमली में आयोजित शिविर के दौरान ग्रामीणों की ओर से 45 शिकायतें दर्ज करवाई गई। जिनमें से 34 शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर निस्तारण किया। जबकि अन्य शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की ओर से 36, आयुर्वेदिक विभाग की ओर से 39 और होम्योपैथिक विभाग की ओर से 35 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयां वितरित की। समाज कल्याण विभाग की ओर से विभिन्न योजनाओं के 25 आवेदनों का सत्यापन किया। शिविर के दौरान जिलाधिकारी ने न्यू डिम्मर पेयजल योजना को लेकर मुख्य विकास अधिकारी को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की नियमित मॉनिटरिंग करते साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को लंबित पेंशन प्रकरणों की जांच कर शीघ्र निस्तारित करने को कहा। शिविर की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी सचिव ने सभी अधिकारियों को ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए, निस्तारण करने की बात कही। वहीं उन्होंने अधिकारियों को शासन स्तर की समस्याओं के निराकरण के लिए पत्राचार कर समय से समस्याओं के समाधान करवाने के भी निर्देश दिए। शिविर में बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, नगर पालिका अध्यक्ष कर्णप्रयाग गणेश शाह, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, डीएफओ सर्वेश दुबे, उपजिलाधिकारी सोहन सिंह रांगड़ सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों सहित क्षेत्रीय ग्रामीण मौजूद थे।

नानघाट योजना का पाइप टूटा, 15 घरों में पानी घुसा, ग्रामीणों में रोष

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय को पानी की आपूर्ति करने वाली नानघाट पंपिंग पेयजल योजना खंड मल्ला गांव के ऊपर क्षतिग्रस्त हो गई है। करीब एक किमी. के दायरे में क्षतिग्रस्त पंपिंग योजना का पानी ग्रामीणों के 15 घरों में घुस गया है। विभाग को सूचित करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पाया। जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारियों की लापवाही का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। कहा कि जनहित में जल्द से जल्द पूरी लाइन को बदला जाना चाहिए। सोमवार को पौड़ी कलेक्ट्रेट पहुंचे प्रभावित ग्रामीणों ने एडीएम और जल संस्थान के ईई से मुलाकात कर समस्या के बारे में अधिकारियों को बताया। ग्राम प्रधान गीता नेगी व गोविंद सिंह नेगी की अगुवाई में ग्रामीण पौड़ी पहुंचे। उन्होंने बताया कि पिछले एक पखवाड़े से पंपिंग योजना की पाइप लाइन गांव के ठीक ऊपर क्षतिग्रस्त हो रखी है। पानी का प्रेशर इतना है कि 15 घरों के भीतर तक पानी घुस गया है। ऐसे में ठंड के दिनों में ग्रामीण गीले घरों में रहने को मजबूर हैं। साथ ही घर में रखा सामान भी खराब हो रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व में जल संस्थान को सूचित किया गया था। बावजूद इसके विभाग की सुस्ती ग्रामीणों पर भारी पड़ रही है। उन्होंने यहां पूरी लाइन बदलने की मांग उठाई है। वहीं जल संस्थान के अधिशासी अभियंता प्रवीण कुमार सैनी ने बताया कि तकनीशियनों को भेजकर जल्द ही लाइन को दुरुस्त किया जाएगा। इस मौके पर कमला देवी, संपत्ति देवी, किरन देवी, बीना देवी, जमना देवी, सोहन सिंह, बसंत सिंह, मोहन सिंह आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

नशामुक्ति का संकल्प लिया

रुद्रप्रयाग। जनपद पुलिस बल के सात दिवसीय योग शिविर के छठे दिन योगाभ्यास के बाद सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने नशामुक्ति का संकल्प लिया। इस दौरान सत्र में पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध कुमार घिल्डियाल सहित कुल 60 अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। योग प्रशिक्षक दौलत सिंह और आलोक सिंह रावत ने पुलिस कर्मियों को सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन और भुजंगासन का अभ्यास कराया गया। उनके मानसिक तनाव को कम करने के लिए प्रशिक्षकों ने उन्हें अनुलोम–विलोम, भ्रामरी और कपालभाति प्राणायाम का अभ्यास कराया। प्रशिक्षकों ने बताया कि ये तकनीकें न केवल श्वसन तंत्र को मजबूत करती हैं बल्कि कठिन परिस्थितियों में भी मन को शांत रखने में मदद करती हैं।

लेफ्टिनेंट कर्नल मोहन सिंह बर्तवाल को सेना मेडल मिलने पर खुशी

रुद्रप्रयाग। जनपद के सीमांत ग्राम त्रियुगीनारायण निवासी राजपूत रेजिमेंट चतुर्थ बटालियन में तैनात लेफ्टिनेंट कर्नल मोहन सिंह बर्तवाल को सेना मेडल मिलने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। लेफ्टिनेंट कर्नल मोहन सिंह बर्तवाल को ऑपरेशन सिंदूर में अदम्य शौर्य पराक्रम दिखाने पर यह मेडल दिया गया है। विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि उनकी उपलब्धि क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण है और उनकी कहानी, सेना में जाने वाले हमारे युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। ग्रामीण महेंद्र सेमवाल बताते हैं कि मोहन सिंह गांव के युवाओं के लिए आदर्श हैं। उनका परिवार हमेशा देशसेवा के लिए तत्पर रहा है। उनके पिता कैप्टन शिवलाल बर्तवाल भी सेना से सेवानिवृत हुए हैं। वहीं जिला पंचायत सदस्य अमित मैखंडी, महिला मोर्चा भाजपा जिला अध्यक्ष सुमन जमलोकी, किरण शुक्ला आदि ने उनकी इस उपलब्धि को गौरवपूर्ण बताया।

प्रत्येक पीएचसी में दो फार्मासिस्ट के पद का मानक हो

देहरादून।उत्तराखंड फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार के एस फर्स्वाण ने नई दिल्ली में आयोजित भारतीय फार्मेसी काउंसिल की 12 वीं बैठक में फार्मेसी सेवाओं को जनोपयोगी बनाने हेतु प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक फार्मासिस्ट के पद का प्रावधान बनाने और बड़े चिकित्सालयों में प्रत्येक 50 ओपीडी रोगियों की संख्या पर एक फार्मासिस्ट के पद का मानक बनाने का सुझाव रखा है। साथ ही उन्होंने बैठक में कहा कि कभी कभी कई शिक्षण संस्थान डिप्लोमा इन फार्मेसी और बी फार्मा में ऐसे छात्रों को प्रवेश दे देते हैं जिन्होंने इंटरमीडिएट परीक्षा में एक अनिवार्य विषय को उत्तीर्ण न किया हो, इस कारण फार्मेसी प्रशिक्षण पूरा करने के बाद भी उनका फार्मेसिस्ट के रूप में रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाता है, और ऐसे छात्रों का कैरियर खराब हो जाता है। उन्होंने ऐसे मामलों में कड़ाई बरतने का सुझाव रखा है। साथ ही उन्होंने बी फार्मा की परीक्षा नीट अथवा खएए से करवाने का सुझाव रखा। देश भर के समस्त राज्यों की फार्मेसी काउंसिल के अध्यक्ष और रजिस्ट्रार के साथ फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया की इस 12 वीं बैठक में उन्होंने राजकीय फार्मेसी अधिकारी संगठन की मांग को सदन के सम्मुख रखते हुए कहा कि सरकारी चिकित्सालयों के लिए निर्धारित क्ष्ळ्ल्र मानकों में फार्मासिस्ट के पदों का सही मानक निर्धारित नहीं किया गया है, जबकि फार्मेसी सेवा किसी भी चिकित्सकीय व्यवस्था की पहली जरूरत है।

मकर संक्रांति पर खालसाई शान के साथ निकला भव्य नगर कीर्तन

देहरादून। मकर संक्रांति के अवसर पर श्री गुरुद्वारा साहिब डाकरा द्वारा साहिबे–कमाल श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के जीवन व आदर्शों को स्मरण करते हुए खालसाई शान के साथ भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। अरदास के उपरांत पंज प्यारों की अगुवाई में फूलों से सजी पालकी में विराजमान श्री गुरु ग्रंथ साहिब की सवारी नगर भ्रमण पर निकली। गुरु वाणी, गतका प्रदर्शन और पंजाब से आए पाइप बैंड ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जगह–जगह श्रद्धालुओं ने नगर कीर्तन का स्वागत कर प्रसाद वितरित किया। नगर कीर्तन में गुरुद्वारा प्रधान दलीप सिंह, महासचिव गुरमीत सिंह कैथ, देवेंद्र पाल सिंह, गुरदीप सिंह, चिरंजीव सिंह, सरबजीत कौर, त्रिलोचन कौर, पवन कौर, गुरचरण कौर, ज्ञान कौर, मनमीत, हरप्रीत, परमजीत, राजेंद्र कौर सोंधी सहित कई लोग मौजूद रहे।

न्याय पंचायत देवरानी बना ओवर ऑल चैम्पियन

1500 और 3000 मीटर दौड़ में अनुराधा ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : विधायक खेल महाकुम्भ 2025-26 विधानसभा चौबटाखाल समापन श्री हंस जी महाराज खेल मैदान पोखड़ा में 03 से 12 जनवरी 2026 तक आयोजित की गई। न्याय पंचायत-देवराडी विकास खण्ड पोखडा को ओवर आल चैम्पियन घोषित किया गया। 100 मी. दौड़ अंडर-19 बालिका वर्ग में सिमरन दुधारखाल, 200 मी. में दिया धरासू, 400 मी. दौड़ में अर्चना ककतुन, 800 मी. दौड में अर्चना गोली 1500 मी. दौड़ में अनुराधा रिंगवाडी, 3000 मीटर दौड़ में अनुराधा रिंगवाडी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सोमवार को समापन समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि एवं मण्डल अध्यक्ष शैलेन्द्र दर्शन रावत, जिला पंचायत सदस्य बलवन्त सिंह नेगी, कनिष्ठ प्रमुख संजय जोशी, खण्ड विकास अधिकारी सूर्यप्रकाश शाह, वरिष्ठ कार्यकर्ता पुष्कार जोशी, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी पोखड़ा भगवान सिंह गुसांई, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी बीरोखाल संजय विष्ट, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी एकेश्वर अंकित पंवार, ब्लाक मिशन प्रबन्धक राजेन्द्र सिंह नेगी ने किया। इस मौके पर आयोजित बॉलीवाल अंडर-19 बालक वर्ग में न्याय पंचायत स्यूंसी, नौगावंखाल, गवानी, बालिका वर्ग में रिंगवाडी, काण्डई, हलूणी, बॉलीवाल अंडर-14 बालिक वर्ग में रिंगवाडी, पातल, गडोली ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। कबड्डी अंडर-19 बालक वर्ग में कुणजोली, पातल, रिंगवाडी, बालिका वर्ग में पिपली, कांडई, मासौ, 60 मीटर दौड़ अंडर-14 बालक वर्ग में सतेंद्र सिंह गवानी, उदित रावत पातल, अनुकला रिंगवाडी, बालिका वर्ग में दिव्या गोर्ली, सुहाना रावत जिवई, श्वेता धरासू, 600 मीटर दौड़ अंडर-14 बालक वर्ग में सूर्यांश सिंह देवराडी, आर्दश रावत पातल, लक्ष्य लखेड़ा कोलाखाल, बालिका वर्ग में रितिका रिंगवाडी, रिया धरासू, राधिका देवराडी, लंबीकूद अंडर-14 बालक वर्ग में अंश रावत पातल, अनुज थपलियाल धरासू, दीपक सिंह मझगांव, बालिका वर्ग में मीरा घोडियाना, सुहारा रावत जिवई, आराध्य ल्वीठा, ऊंची कूद अंडर-14 बालक वर्ग में अंश रावत पातल, सतेन्द्र सिंह गवानी, शौर्य नेगी गोर्ली, गोलाफेंक अंडर-14 बालिका वर्ग में राशि देवराडी, आस्था देवराजखाल, रितिका कोलाखाल ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका दीपक विष्ट, जय सिंह रावत, नेत्र सिंह रावत, कमलेश कुमार, सुनील नेगी, नफीस अहमद, विवेक बिष्ट, प्रमोद रावत, अनिल नेगी, पंकज ध्यानी, हरीश जोशी, अजय पंवार, नीरज पटवाल, विकास, रविकांत, रोशन कुमार, प्रियंका, संजीव, महिपाल सिंह, प्रदीप सिंह, ऋषभ ने निभाई।

बारिश और बर्फबारी नहीं होने से सेब उत्पादक निराश

नई टिहरी। बारिश और बर्फबारी नहीं होने के कारण थौलधार के सेब उत्पादकों में निराशा छाई हुई है। क्षेत्र में कई लोग सेब उत्पादन से ही अपनी आजीविका चलाते हैं लेकिन जनवरी का आधा माह बीतने के बाद भी बारिश नहीं होने से उन्हें भारी नुकसान की चिंता सताने लगी है। उत्पादकों ने उचित मुआवजा देने की मांग की है।

थौलधार ब्लॉक में गुसाईं पट्टी, नगुण जूवा और उदयपुर पट्टी में ऊपरी क्षेत्र के दर्जनों काश्तकार सेब का उत्पादन करते हैं लेकिन जनवरी का पूरा महीना इसी तरह बिना बारिश और बर्फबारी के ही गुजरता है, तो सेब उत्पादन की पूरी उम्मीदें क्षीण हो जाएगी। क्षेत्र पंचायत सदस्य राजेंद्र सिंह पंवार, विनोद सिंह राणा और नयन सिंह गुसाईं ने बताया कि मौसम की यही बेरुखी रही तो सेब उत्पादन से आजीविका चलाने वाले उत्पादकों के सामने परिवार के भरण–पोषण की समस्या पैदा हो जाएगी। घाटी वाले क्षेत्र में भी गेहूं, जौ, सरसों, मटर और आलू आदि की फसल भी कहीं नजर नहीं आ रही है। जौनपुर ब्लॉक में भी बड़ी संख्या में उद्यानीकरण से जुड़े किसान सेब, आड़ू, खुमानी, पुलम और चुल्लू का उत्पादन करते हैं लेकिन बारिश और बर्फबारी नहीं होने के कारण उत्पादन की उम्मीद नहीं है।

काश्तकार महिपाल सिंह रावत, लोकेंद्र सजवाण, रतनमणि गौड़, जगत सिंह राणा, वीर सिंह राणा और विमल नौटियाल ने बताया कि सेब का बागीचा तैयार करने में काफी पैसा खर्च होता है। किसानों ने बीज भंडार से हजारों के गेहूं, मसूर और मटर के बीज खरीद कर बुवाई की थी लेकिन बारिश नहीं होने के कारण नुकसान होना तय है। उन्होंने इस मौसम को सूखाग्रस्त घोषित कर मुआवजा देने की मांग की है। ब्लॉक कृषि अधिकारी सुनील डोगरा ने कहा कि आठ–दस दिन में बारिश नहीं होती है, तो नुकसान रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी।

1642 विस्थापित परिवारों को अब मिलेगा समान हक

नई टिहरी। टिहरी बांध परियोजना से प्रभावित पुरानी टिहरी शहर के विस्थापितों को एक बार फिर से राहत मिलने की उम्मीद जगी है। टिहरी शहर के वार्ड संख्या एक से छह तक के लगभग 1642 भूमिधर विस्थापितों को भूमि मुआवजा पांच रुपये से बढ़ाकर 30 रुपये प्रति वर्गफुट की दर से भुगतान किए जाने के संबंध में डीएम / पुनर्वास निदेशक नितिका खंडेलवाल ने सचिव सिंचाई को पत्र भेजा है। पुरानी टिहरी शहर के विस्थापित परिवारों को पूर्व में केवल पांच रुपये प्रति वर्गफुट की दर से भूमि मुआवजा दिया गया था जबकि कुछ परिवारों को बाद में 30 रुपये प्रति वर्गफुट की दर से भुगतान किया गया। इससे विस्थापितों के बीच असमानता की स्थिति बनी हुई है। विधायक किशोर उपाध्याय के निर्देश पर प्रशासन के स्तर पर की गई जांच के अनुसार वार्ड एक से छह तक लगभग 1642 विस्थापित परिवार ऐसे हैं, जिन्हें बढ़ी हुई दर का लाभ नहीं मिल पाया है। सचिव सिंचाई को भेजे पत्र में पुनर्वास निदेशक ने बताया है कि टिहरी बांध विस्थापितों से जुड़े इस प्रकरण को लेकर पूर्व में जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों के साथ बैठकें हो चुकी है जिनमें अवशेष भूमिधर परिवारों की पहचान कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए थे। पुनर्वास निदेशक ने सचिव सिचाई को भेजे पत्र में सभी अवशेष विस्थापित भूमिधर परिवारों को समान रूप से 30 रुपये प्रति वर्गफुट की दर से मुआवजा दिए जाने के लिए दिशा निर्देश मांगे है। विधायक का कहना है कि शासन को पत्र भेजा गया है। उम्मीद है कि इसको जल्द स्वीकृति मिलेगी जिसके बाद भुगतान की कार्रवाई की जाएगी।

मनरेगा को यथावत रखने के लिए कांग्रेसियों ने किया उपवास

नई टिहरी। मनरेगा योजना को पूर्व की भांति यथावत रखने की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनरेगा बचाओ महासंग्राम के तहत नई टिहरी में सांकेतिक उपवास रखा। मांग के समर्थन में आंबेडकर पार्क में धरना दिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुरारीलाल खंडवाल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सांकेतिक उपवास रखकर पार्क में धरना दिया। जिलाध्यक्ष खंडवाल ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने गरीबों के लिए मनरेगा योजना शुरू की थी लेकिन भाजपा सरकार योजना का नाम बदलकर उसे बंद करने में लगी है। कहा कि राज्यों के पास इतना पैसा नहीं कि वह मनरेगा जैसी योजना में अपना योगदान दे सके। मनरेगा योजना के माध्यम से देश के लाखों लोगों को रोजगार मिलता है, लेकिन योजना के बंद होने से देश की बड़ी आबादी बेरोजगार हो जाएगी। योजना के बंद होने से ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन की रफ्तार और बढ़ेगी। कहा कि कांग्रेस जनता के बीच जाकर नई योजना की खामियां बताएंगी। इस मौके पर पूर्व दायित्वधारी प्रवीन भंडारी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख विजय गुनसोला, प्रदीप चंद रमोला, महिला जिलाध्यक्ष आशा रावत, दर्शनी रावत, देवेंद्र नौडियाल, नरेंद्र चंद रमोला, साब सिंह सजवाण, हरि सिंह मखलोगा मौजूद रही।

वोकल फॉर लोकल के संदेश को जन आंदोलन बनाएं : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वदेशी संकल्प दौड़ का किया शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गांधी पार्क देहरादून में स्वदेशी संकल्प दौड़ का शुभारंभ किया। इस अवसर मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनको नमन किया। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने वाली संस्थाओं को उन्होंने सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का उठो, जागो और लक्ष्य की प्राप्ति तक रुको मत का संदेश देश की मजबूत नींव के लिए युवाओं को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र के संकल्प की ओर अग्रसर है तथा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने में युवाओं की भूमिका निर्णायक होगी। उन्होंने वोकल फॉर लोकल के संदेश को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप, मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया जैसे अभियान सबको मिलकर आगे बढ़ाने होंगे। मुख्यमंत्री ने युवाओं से नशे से दूर रहने, अनुशासन अपनाने, शिक्षा-कौशल विकास पर जोर देने तथा राष्ट्र कर्तव्यों का पालन करने का विशेष आह्वान किया। इस अवसर पर विधायक खजान दास, मेयर देहरादून सौरभ थपलियाल, भाजपा के संगठन मंत्री अजेय कुमार पार्टी पदाधिकारी एवं भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारी मौजूद थे।

शहीदी मेले में परेड और झांकी रही आकर्षण का केंद्र

श्रीनगर गढ़वाल : अमर शहीद नागेंद्र सकलानी एवं मोलू भरदारी स्मृति विकास मेले के दूसरे दिन स्कूली बच्चों की परेड व झांकी आकर्षण का केंद्र रही। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने अमर शहीद नागेंद्र सकलानी व मोलू भरदारी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने परेड की सलामी ली। इस दौरान परेड और झांकी आकर्षण का केंद्र रहे। सीनियर वर्ग में परेड में रेनबो पब्लिक स्कूल चौरास प्रथम, जीआईसी डांगचौरा द्वितीय और शेमफोर्ड स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। झांकी में केवी मेमोरियल स्कूल चौरास प्रथम, रेनबो स्कूल द्वितीय और होली एंजल स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेले में कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि नागेंद्र सकलानी व मोलू भरदारी का त्याग व बलिदान हमेशा याद रहेगा। नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. राकेश मोहन मैठाणी ने मेला सहायता राशि को दो लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने, ढूंढप्रयाग मंदिर परिसर की स्थिति सुधारने, कार पार्किंग बनाने एवं गेस्ट हाउस के निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये की धनराशि की स्वीकृति कराने, नगर में बहुउद्देशीय भवन बनाने, न्यूनीसैण हिल व्यू प्वाइंट के निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत कराने आदि की मांग की। कैबिनेट मंत्री ने मांगों पर सकारात्मक आश्वासन दिया। विशिष्ट अतिथि कीर्तिनगर ब्लॉक प्रमुख खंडेवाल ने अपनी निधि से मेले के आयोजन के लिए दो लाख रुपये दिए जाने की घोषणा की। कार्यक्रम में नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी शालिनी नेगी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष विजयराम गोदियाल, कल्पना कठैत, महिपाल बुटोला, भाजपा मंडल अध्यक्ष कुलदीप रावत आदि मौजूद रहे। संचालन महेंद्र कठैत ने किया। आयोजन में राजेश सेमवाल, सतीश बलूनी, साब सिंह, गणेश डिमरी, ओमप्रकाश बडोनी, जगपाल चौहान व नगर पंचायत के सभासद व कर्मचारी सहयोग दे रहे हैं। (एजेंसी)

प्रीतम भरतवाण के गीतों पर थिरके लोग

मेले के दूसरे दिन लोक गायक प्रीतम भरतवाण के गीतों की धूम रही। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। उन्होंने भगवती राजराजेश्वरी जागर..., रूमा झूमा बाली संध्या जागर..., घंडियाल देवता जागर, हे भाना बिजोरा..., झणि बल कैमरा का बीच..., मुंड बांध्याली..., मेरू मुलक चली घुमी... आदि गीतों की प्रस्तुति दी। मौके पर उनके साथ उभरती हुई लोक गायिका वसुधा गौतम ने भी शानदार गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

सूबेदार राय सिंह रावत बने अध्यक्ष

रुद्रप्रयाग। विकासखंड अगस्त्यमुनि में पूर्व सैनिकों और वीर नारियों की मुख्यालय स्थित काली कमली में बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से एक नया संगठन गठित किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य पूर्व सैनिकों, वीर नारियों तथा उनके आश्रितों की समस्याओं का समाधान करना और संगठन को मजबूत बनाना है। इस संगठन के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया जिनमें हवलदार दरमान सिंह सिंधवाल को संरक्षक, सूबेदार राय सिंह रावत को अध्यक्ष, सूबेदार ललिता प्रसाद चमोली को उपाध्यक्ष, हवलदार वीर सिंह रावत को सचिव, महिंद्र सिंह बिष्ट को कोषाध्यक्ष चुना गया। बैठक के दौरान संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, वीर नारियों तथा उनके परिवारजनों की विभिन्न समस्याओं जैसे पेंशन, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार आदि के समाधान पर चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर इस दिशा में सक्रिय प्रयास करने का संकल्प लिया।

फाइलों में दबी विकास की रफ्तार

नई टिहरी(। चंबा ब्लॉक में नागदेव पथल्ड–स्वाड़ी–बाड़ियों मोटर मार्ग 18 साल बाद भी नहीं बन पाया है जिससे क्षेत्र के पांच गांव के लोगों को कई असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। गांव के अधिकतर लोग खेतीबाड़ी कर नकदी फसल का उत्पादन करते हैं लेकिन सड़क नहीं होने के कारण फसल सड़क तक पहुंचाने के लिए आज भी पसीना बहाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने सीडीओ को ज्ञापन देकर सड़क बनाने की गुहार लगाई है। बमुंड पट्टी में नागदेव पथल्ड–स्वाड़ी–चलिखाल–बाड़ियों चार किमी की स्वीकृति वर्ष 2007–08 में मिल गई थी। लोनिवि ने उस समय सर्वे भी कर दिया था। लेकिन उसके बाद यह प्रस्ताव फाइलों के ढ़ेर में दबा दिया है। 12 जनवरी को बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट जनता मिलन कार्यक्रम में पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि स्वाड़ी, चलिखाल, नाज, बाड़ियों और बुरांशकांडा के लिए 2007 में चार किमी सड़क स्वीकृत हो गई थी। रोड के लिए गांव समाज की जमीन का ही अधिग्रहण होने से जमीन संबंधी विवाद भी नहीं है। बावजूद लोनिवि सड़क का प्रस्ताव दबाए बैठा है। गांव के लोग नकदी फसल उगाते हैं, लेकिन सड़क के अभाव में उपज तीन–चार किमी पैदल सड़क तक पहुंचाने को कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। किसी व्यक्ति के बीमार होने और गर्भवती महिला को सड़क तक पहुंचाने के लिए कंडी का सहारा लेना पड़ता है। विभाग को कई बार कहने पर भी सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से ग्रामीणों में विभाग के प्रति रोष बना है। उन्होंने सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने की मांग की है।

ज्ञापन देने वालों में प्रधान संतोषी गुसाईं, रविंद्र सिंह, गोपाल सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य महेश बिष्ट, आनंद सिंह गुसाईं, मनमोहन उनियाल, शूरवीर सिंह गुसाईं, सुरेंद्र सिंह, शिवानी सेमवाल और सत्तु कुमार आदि शामिल थे।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए खैट पर्वत और नागटिब्बा ट्रैक होंगे विकसित

नई टिहरी। जनता मिलन कार्यक्रम में दूर–दराज से पहुंचे लोगों ने लोनिवि, संचार सेवा, ग्राम्य विकास विभाग, समाज कल्याण और कृषि विभाग से संबंधित समस्याएं रखी। सीडीओ वरुणा अग्रवाल ने कई समस्याओं का निस्तारण कर अन्य समस्याएं संबंधित विभागीय अधिकारियों को अग्रसारित कर जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। बताया गया कि ट्रैक डेस्टिनेशन के लिए प्रथम चरण में खैट पर्वत, सौड़ और नागटिब्बा ट्रैक रूट को चिह्नित किया गया है। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में भिलंगना के गवाणा गांव की प्रधान सीता देवी ने गांव को जोड़ने वाले जर्जर पुल के बदले नया पुल बनाने की मांग उठाई। आंचल डेयरी से बीआरएस कर्मचारी प्रताप सिंह राणा ने लंबित देयकों का भुगतान करने की मांग की। भूमि प्रतिकर भुगतान, मृत्यु प्रमाणपत्र निर्गत करने, कृषि भूमि की सुरक्षा के लिए घेरबाड़ लगाने, सड़क सुरक्षा दीवार लगाने, अवैध निर्माण हटाने, गोशाला बनाने और बीएसएनएल टावर सुचारू करने की मांग की गई। कार्यक्रम में कुल 48 शिकायतें दर्ज कराई गई। सीडीओ ने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ट्रैक डेस्टिनेशन की पहचान बनाने के लिए पर्यटन स्थल विकसित किए जाने हैं। प्रथम चरण में जाखणीधार ब्लॉक में थात से खैट पर्वत का ट्रैक रूट, चंबा में सौड़, जौनपुर में सेंदुल नागटिब्बा ट्रैक रूट को चिह्नित किया गया है।

पर्यावरण संरक्षण की जानकारी दी

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय युवा दिवस पर एनएसएस इकाई राजकीय महाविद्यालय रुद्रप्रयाग की ओर से मुख्य बाजार स्थित कॉलेज परिसर में स्वच्छता जागरूकता अभियान एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ आशुतोष त्रिपाठी ने किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से जसोदा खत्री, जसोदा नौटियाल, गीता सेमवाल ने स्वयंसेवियों को निःशुल्क विधिक सहायता से संबंधित जानकारी दी। वहीं डिस्ट्रिक्ट क्लाइमेट कॉर्डिनेटर विजय वशिष्ठ ने सभी स्वयंसेवियों से उत्तराखंड की सेवा की बात कही। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. विक्रम भारती, डॉ. विशाल दत्ता ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। एनएसएस नोडल अधिकारी श्रीकांत नौटियाल, सह कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अंविता सिंह ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने पर बल दिया। इस दौरान एनएसएस सह संयोजक डॉ. आशीष नौटियाल, डॉ. रजनी रौथाण, स्वयंसेवी चंद्र प्रकाश, तुषार, शुभम और रिया आदि मौजूद रहे।

छात्रों को आत्मबल, चरित्र निर्माण और राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में स्वामी विवेकानन्द की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह व प्राध्यापकों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर हिन्दी विभाग के प्रभारी डॉ. धर्मेन्द्र सिंह छात्रों को जीवन में एकाग्रता व निःस्वार्थता को अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में युवाशक्ति की भूमिका पर जोर देते हुए छात्रों को आत्मबल, चरित्र निर्माण और राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया। कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज के युवाओं के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने बताया कि उनके आदर्शों को जीवन में अपनाकर ही एक सशक्त भारत का निर्माण संभव है। इस दौरान बीए की छात्रा अंजली ने विवेकानंद के विचारों पर एक कविता प्रस्तुत की। बीएससी की छात्रा दिव्या ने विवेकानंद की जयंती पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने किया।

युवा दिवस के रूप में मनाया स्वामी विवेकानंद की जयंती

नई टिहरी। जिलेभर में स्वामी विवेकानंद की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। भाजयुमो ने डाइजर से नई टिहरी हनुमान चौक तक स्वदेशी संकल्प दौड़ संपन्न करवाई जिसमें धीरज तड़ियाल पहले, पीयूष तड़ियाल दूसरे और नवराज तीसरे स्थान पर रहें।

भाजयुमो के जिलाध्यक्ष मनीष राणा के नेतृत्व में स्वदेशी संकल्प दौड़ को भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, उत्तराखंड अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष संजय नेगी ने झड़ी दिखाकर रवाना किया। पार्टी कार्यालय में विचार गोष्ठी में जिलाध्यक्ष रावत, आयोग अध्यक्ष नेगी तथा भाजयुमो जिलाध्यक्ष राणा ने स्वामी विवेकानंद को युवाओं का प्रेरणास्रोत बताया। इस मौके पर महामंत्री विनीत उनियाल, जिला महामंत्री बलवंत रावत, विजय कठैत, सुमित रावत, दीपेंद्र रावत, आलोक जुयाल, जयेंद्र पंवार आदि मौजूद थे। दूसरी ओर, राजकीय महाविद्यालय खाड़ी की एनएसएस इकाई और यूथ रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। रेडक्रॉस सोसाइटी के नोडल अधिकारी डॉ ईरा सिंह ने छात्रों को स्वामी विवेकानंद के जीवन, आदर्शों, समाज सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और मानवीय मूल्यों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर प्राचार्य प्रो एके सिंह, मीनाक्षी, विपिन आदि मौजूद थे। उधर, श्रीदेव सुमन विवि मुख्यालय बादशाहीथौल में राष्ट्रीय युवा दिवस पर बीसीए के छात्राओं के बीच क्विज और भाषण प्रतियोगिता हुई। क्विज में रिया, शालिनी भट्ट, अर्पिता रावत तथा भाषण में खुशी शर्मा, आंचल पुंडीर, शालिनी भट्ट क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रही। कुलपति प्रो एनके जोशी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। युवा शक्ति ही राष्ट्र और समाज के उज्जवल भविष्य की आधार शिला हैं।

इधर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नई टिहरी में युवा दिवस पर एनएसएस से जुड़े छात्रों ने स्वदेशी संकल्प दौड़, संकल्प गोष्ठी में प्रतिभाग किया।

प्रधानाचार्य बीडी कुनियाल ने कहा कि जिस देश की युवा शक्ति जागृति हो, उसको आगे बढ़ने को कोई नहीं रोक सकता। इस मौके पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी राजेंद्र मिश्रवाण, जितेंद्र सेमल्टी, विजय सोनी आदि मौजूद थे। कमांद महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर एनएसएस इकाई की ओर से गोष्ठी आयोजित की गई। इस मौके पर एनएसएस प्रभारी डॉ.बीना रानी, डा.दीपक राणा, सोहन सिंह, केदारनाथ भट्ट आदि मौजूद रहे।

अप्रेंटिसशिप मेले में 68 अभ्यर्थियों का चयन

रुद्रप्रयाग। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन हुआ। मेले का शुभारंभ आईटीआई श्रीनगर के प्रधानाचार्य संजीव कुमार एवं उद्योगों के प्रतिनिधियों ने किया।

मेले में 14 कंपनियों ने साक्षात्कार ड्राइव में प्रतिभाग किया जिनमें 103 से अधिक अभ्यर्थियों ने साक्षात्कार में प्रतिभाग किया और 68 अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

इस दौरान उद्योग प्रतिनिधि विपिन कोहली एवं जसवीर सिंह युवा शक्ति फाउंडेशन हरिद्वार, हिमांशु भट्ट, एचआर मैनेजर महिंद्रा एंड महिंद्रा इंडिया लिमिटेड, अमित एचआर मैनेजर अशोक लिलेन्ड, पंतनगर उधमसिंह नगर एवं मोहन प्रसाद पुरोहित ने अधिष्ठानों की जानकारी दी।

बर्थडे पार्टी में बवाल, मारपीट के आरोप में क्रॉस केस दर्ज

देहरादून। राजपुर थाना क्षेत्र के नागल (आईटी पार्क) इलाके में 26 दिसंबर की रात हुई मारपीट की घटना में पुलिस ने रविवार को दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस मुकदमा दर्ज किया है। एक पक्ष ने जहां बर्थडे पार्टी के दौरान युवक को खाई में धक्का देकर जान से मारने की कोशिश का आरोप लगाया है, वहीं दूसरे पक्ष ने प्लॉट देखने जाने के दौरान मारपीट और सोने की चेन लूटने की बात कही है। इंस्पेक्टर राजपुर प्रदीप सिंह रावत ने बताया कि एक पक्ष से राजेश्वर नगर, सहस्त्रधारा रोड निवासी अभिषेक काला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके भाई यश काला 26 दिसंबर की रात अपने दोस्त अवनीश शर्मा का जन्मदिन मनाने तारा पर्वत, नागल गए थे। आरोप है कि वहां एक सफेद रंग की गाड़ी में आए अभिनव चौधरी ने बहस के बाद यश को धक्का देकर खाई में गिरा दिया। इस घटना में यश की दोनों टांगें टूट गईं और रीढ़ की हड्डी में भी गंभीर चोटें आई हैं। वह फिलहाल बेड रेस्ट पर हैं। अभिषेक ने आरोपी अभिनव चौधरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं दूसरे पक्ष से सुमनपुरी, सहस्त्रधारा रोड निवासी अभिनव ने तहरीर दी है। उनका कहना है कि वह 26 दिसंबर की रात करीब 11 बजे नागल हटनाला में एक प्लॉट की लोकेशन देखने गए थे। वहां पहुंचते ही अभिषेक, सिद्धार्थ, यश काला और कुछ अज्ञात लोगों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। अभिनव ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उनकी सोने की चेन भी गिर गई।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com